RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, गुरुवार ●18 जुलाई , 2024 वर्षः-12 अंक-81 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

नड्डा-शाह से मुलाकात के बाद मंत्रियों को मिल सकते हैं जिलों के प्रभार

रावत का विभाग भी हो सकता है तय

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार सुबह 10 बजे दिल्ली पहुंचे थें। वे बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के सीनियर लीडर्स से मुलाकात कर सकते हैं। कैबिनेट गठन के 6 महीने बाद अब मंत्रियों को प्रभार के जिलों की लिस्ट पर भी मुहर लग सकती है।

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह में मंत्री अपने प्रभार के जिलों में ध्वजारोहण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री को मंगलवार शाम को ही दिल्ली जाना था, लेकिन किसी कारण से दौरा कैंसिल हो गया।

सूत्रों की मानें तो मंत्रियों को जिलों का प्रभार देने में क्षेत्रीय और जातिगत समीकरणों के साथ ही सीनियरिटी का भी ध्यान रखा जाएगा।

● **मंत्री रामनिवास रावत के विभाग पर भी फैसला-** विजयपुर से कांग्रेस के टिकट पर छठवीं बार के विधायक रामनिवास रावत 8 जुलाई को मोहन सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाए गए हैं। नौ दिन बाद भी रावत को विभाग नहीं दिया जा सका है। दिल्ली में रावत का विभाग भी तय हो सकता है। रावत विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

सीएम सैनी ने घोषणा की

हरियाणा की सरकारी नौकरियों में अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अग्निवीरों को राज्य की सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण देने का ऐलान किया है। सीएम सैनी ने कहा कि हमारी सरकार हरियाणा में अग्निवीरों को पुलिस कांस्टेबल, माइनिंग गार्ड, फॉरेस्ट गार्ड, जेल वार्डन और एसपीओ की सीधी भर्ती में 10 फीसदी आरक्षण देगी। सीएम सैनी ने कहा कि हमने इन अग्निवीरों को ग्रुप डी और सी में सरकारी पदों के लिए निर्धारित अधिकतम आयु में 3 साल की छूट देने का भी फैसला किया है। पहले बैच के मामले में आयु में यह छूट 5 साल की होगी। सरकार ग्रुप-सी में सिविल पदों में सीधी भर्ती में अग्निवीरों के लिए 5 फीसदी आरक्षण और ग्रुप डी में एक फीसदी आरक्षण देगी।

नड्डा से मिलने के बाद भी केशव के बगावती तेवर

● फिर लिखा-संगठन सरकार से बड़ा है

लखनऊ (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद भी यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य के बगावती तेवर बरकरार हैं। नड्डा से मिलने के 15 घंटे बाद मौर्य ने फिर से एक्स पर लिखा- संगठन सरकार से बड़ा होता है। भाजपा की अंतर्कलह पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज कसा। लिखा-

भाजपा की कुर्सी की लड़ाई की गर्मी में उप्र में शासन-प्रशासन ठंडे बस्ते में चला गया है। 3 दिन पहले भी मौर्य ने कार्यसमिति की बैठक में यही बात कही थी। इसके बाद मौर्य को नड्डा ने मंगलवार को दिल्ली बुलाया। 1 घंटे तक बातचीत की। सूत्रों के मुताबिक, आलाकमान ने नसीहत दी कि सरकार-संगठन में तालमेल बनाकर रखें, बयानबाजी से भी बचें। वहीं यूपी भाजपा की ओर से भी दो दिन पहले केशव के समर्थन में दो पोस्ट किए गए थे।

बांग्लादेशी पीएम हसीना का नौकर 284 करोड़ का मालिक

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के नौकर के पास 284 करोड़ की संपत्ति है। उसके पास एक प्राइवेट हेलिकॉप्टर है और कहीं आने-जाने के लिए वह इसी का इस्तेमाल करता है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, इस नौकर का नाम जहांगीर आलम था। वह पीएम हसीना के घर पर मेहमानों को पानी देने का काम करता था।

जहांगीर ने हसीना के ऑफिस और घर में काम करने का जिक्र करते हुए कई लोगों से रिश्वत ली थी। वह लोगों से उनका काम करवाने का झांसा देकर पैसे वसूलता था।

उ.प्र. के 16 जिलों में बाढ़ 3 नदियां उफान पर

24 घंटे में 6 मौतें, कर्नाटक में लैंडस्लाइड से 4 की मौत, 9 राज्यों में अलर्ट

लखनऊ/नई दिल्ली। नेपाल से सटे उत्तर प्रदेश के 16 जिलों में बाढ़ के हालात लगातार बने हुए हैं। यहां तीन नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। राप्ती नदी, बूढ़ी राप्ती और क्यूनो नदी के उफान पर होने के कारण गोरखपुर, सिद्धार्थ नगर और गोंडा में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। वाराणसी का रत्नेश्वर महादेव मंदिर गंगा में डूब गया है। यह दुनिया का पहला झुका हुआ मंदिर है।

पिछले 24 घंटे में बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण 6 लोगों की मौत हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया कि सभी की मौत डूबने से हुई है। इसके अलावा कर्नाटक में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड के कारण 4 लोगों की मौत हो गई।

उधर, बिहार में भी बेतिया, बगहा, सीतामढ़ी, मधेपुरा, अररिया समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 24 से ज्यादा निचले इलाकों के गांव में बाढ़ का पानी घुस चुका है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश समेत 9 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

● **9 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अनुमान-** मौसम विभाग ने बुधवार 17 जुलाई को मध्य प्रदेश, राजस्थान, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और उत्तराखंड यानी 9 राज्यों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। वहीं, 10 राज्यों तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मणिपुर, नगालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा, पंजाब और हरियाणा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

● **म.प्र.18 जिलों में आज तेज बारिश का अलर्ट -** मानसून ट्रफ मध्यप्रदेश से गुजर रही है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और लो प्रेशर एरिया भी एक्टिव है। इस कारण पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम है। कई जिलों में इतनी तेज बारिश हो रही है कि सड़कें तालाब बन गई हैं।

बिहार के 16 जिलों में बारिश का अलर्ट

नेपाल की बारिश से बेतिया-मधेपुरा और अररिया में बाढ़- नेपाल में लगातार बारिश हो रही है। इसकी वजह से बिहार के बेतिया, बगहा, सीतामढ़ी, मधेपुरा, अररिया समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। बेतिया के योगपट्टी, नौतन और बैरिया प्रखंड के 24 से ज्यादा निचले इलाकों के गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है। राजस्थान के 31 जिलों में बारिश का अलर्ट, अगले तीन दिन जारी रहेगा दौर राजस्थान में धीमा पड़ा बारिश का दौर आज से तेज होगा, जो अगले तीन दिन जारी रहेगा। मौसम विभाग ने आज उदयपुर संभाग के चार जिलों सिरोही, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

पत्नी को डाक से भेजा तीन तलाक

पति ने लिखा- माता-पिता को अपमानित करती है

महिला बोली- प्रताड़ित मैं हुई, मुझ पर ही लगाए आरोप

अशोकनगर (एजेंसी)। अशोकनगर में एक महिला को डाक से तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। 23 साल की महिला मंगलवार को एक लेटर लेकर देहात थाना पहुंची। लेटर पुलिस की ओर बढ़ाते हुए बोली, सर यह मेरे पति ने भेजा है। डाक के जरिए उन्होंने मुझे तीन तलाक दे दिया।

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने महिला विवाह संरचना अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है। महिला की शादी 2023 में कोलारस के रहने वाले आदिल से हुई थी। उसका आरोप है कि शादी के बाद से ही पति दहेज के लिए प्रताड़ित करता था।

डाक से तीन तलाक का लेटर भेजने की सूचना पर मीडिया ने पीड़िता से बात की, साथ ही उस लेटर को भी देखा, जो पति ने उसे भेजा है...

पति ने डाक से भेजा तलाक का लेटर-साहिबा बानो ने बताया कि 26 अप्रैल 2023 को कोलारस के आदिल से मेरी शादी हुई थी। वह मंडी में अनाज खरीदने-बेचने का काम करता है। शादी के बाद से ही ससुराल वाले कहते हैं कि जिस तरह हम रखना चाहें, उसी तरह से आपको रहना पड़ेगा। पति मुझसे मारपीट करता। एक पति ने 2 लाख रुपए की मांग की। मैंने अपने पिता को बताया। पिता ने जब उनसे बात की तो वह एक पिकअप वाहन खरीदने का कहने लगे।

केजरीवाल की जमानत पर 29 जुलाई को फैसला

नईदिल्ली (एजेंसी)। शराब नीति केस में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। बुधवार को करीब ढाई घंटे तक चली चली बहस के बाद कोर्ट ने कहा- जमानत याचिका पर सुनवाई 29 जुलाई को करेंगे। सीबीआई द्वारा केजरीवाल को अरेस्ट करने के खिलाफ जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा- अरविंद केजरीवाल जनता के चुने हुए मुख्यमंत्री हैं, आतंकवादी नहीं। सिंघवी ने कोर्ट में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का जिक्र किया। उन्होंने कहा- हाल ही में इमरान खान को रिहा किया गया था।

म.प्र.के 5 जिलों में भारी बारिश के साथ बिजली गिरने का अलर्ट

● हरदा में बाइक समेत बहा युवक ● अब तक 10.6 इंच पानी गिरा

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में बुधवार को नर्मदापुरम, आगर-मालवा, मंदसौर, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिले में भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में नीमच, मुरैना, ग्वालियर, छतरपुर के खजुराहो और पन्ना में आकाशीय बिजली गिरने या चमकने और मध्यम गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई है।

इससे पहले हरदा में बुधवार को सुबह 4 घंटे बारिश हुई। आदमपुर और भैरोपुर में सड़कों पर दो फीट तक पानी भर गया। एक युवक बाइक समेत नाले में बह गया। खंडवा में सुबह 9 बजे से रुक-रुककर बारिश हो रही है। बैतूल के मुलताई में करीब 11 बजे आधा घंटे तक पानी गिरा। नर्मदापुरम के सिवनी मालवा में सुबह 6 बजे से करीब 9:30 बजे तक बारिश हुई।

एमपी में अब तक 10.6 इंच बारिश- प्रदेश में अब तक एवरेज 10.6 इंच बारिश हो चुकी है। यह सामान्य बारिश से 0.4 इंच कम है। यह औसत से 4 प्रतिशत कम है। पूर्वी हिस्से में अब तक 15 प्रतिशत बारिश कम हुई है, जबकि पश्चिमी हिस्से में 7 प्रतिशत अधिक है।

डैम-तालाब में बढ़ रहा पानी- लगातार बारिश होने से प्रदेश के बड़े डैम और तालाब में भी पानी बढ़ रहा है। भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब में 1659.50 फीट पानी जमा हो गया है।

केदारनाथ से 228 किलो सोना गायब होने का आरोप

● मंदिर समिति के अध्यक्ष बोले- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सनसनी न फैलाएं, सबूत है तो कोर्ट जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्योर्तिमठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने 15 जुलाई को केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब होने का आरोप लगाया था। इस पर श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सिर्फ सनसनी फैलाना चाहते हैं। सबूत हैं तो सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट जाएं। अजेंद्र अजय ने कहा- मैं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का सम्मान करता हूं, लेकिन वे दिनभर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते रहते हैं। विवाद खड़ा करना, सनसनी फैलाना और चर्चाओं में बने रहना अविमुक्तेश्वरानंद की आदत है। अगर स्वामी कांग्रेस के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

एअर इंडिया ने 2200 भर्तियां निकालीं, 25 हजार कैंडिडेट पहुंचे

मुंबई एयरपोर्ट पर भगदड़ जैसी स्थिति बनी, लोडर की पोस्ट के लिए इंटरव्यू थे

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में एयरपोर्ट लोडर की 2,216 वैकेंसी पर 25 हजार से ज्यादा कैंडिडेट इंटरव्यू के लिए पहुंच गए। इससे मुंबई एयरपोर्ट पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई थी। एअर इंडिया के कर्मचारियों को भीड़ को कंट्रोल करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

नौकरी के लिए पहुंचे कैंडिडेट्स की कई फोटो और वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें युवाओं की भारी भीड़ दिख रही है। फॉर्म काउंटर तक पहुंचने के लिए कैंडिडेट धक्का-मुक्की करते नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आवेदकों को बिना भोजन और पानी के घंटों इंतजार करना पड़ा। ऐसे में कई की तबीयत खराब होने लगी।

400 किमी दूर से इंटरव्यू के लिए पहुंचा

बुलढाणा जिले के प्रथमेश्वर ने मीडिया को बताया- मैं लोडर जॉब के लिए इंटरव्यू देने के 400 किमी दूर से सफर करके यहां पहुंचा। मैं अप्रेंटिस पोस्ट के लिए अप्लाई करने आया हूं। प्रथमेश्वर ने आगे बताया कि वे बीबीए सेकेंड ईयर के स्टूडेंट हैं।

सबका साथ, सबका विकास की जरूरत नहीं : शुभेंदु अधिकारी

● कहा- भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए; जो हमारे साथ, हम उसके साथ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार (17 जुलाई) को कहा, 'सबका साथ, सबका विकास', लेकिन अब हम यह नहीं कहेंगे। अब हम कहेंगे 'जो हमारे साथ, हम उनके साथ...' सबका साथ, सबका विकास कहना बंद करो'।

पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में बोले, भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा की भी जरूरत नहीं है। हम जीतेंगे, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सबका साथ, सबका विकास का नारा दिया था।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, गुरुवार 18 जुलाई , 2024

ओबीसी को एससी-एसटी के समान मिले आरक्षण, हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर

जबलपुर। ओबीसी आरक्षण से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में मांग की गई है कि प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग को उसकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण दिया जाए। चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने पहले लंबित प्रकरणों के साथ लिंक करके सुनवाई के निर्देश दिए हैं। 19 जुलाई को सभी मामलों पर सुनवाई होगी।

दायर की गई जनहित याचिका में वैदिक सामाजिक व्यवस्था, ज्योतिबा राव फुले की मांग पर हंटर कमीशन रिपोर्ट, मिलर कमीशन की अनुशंसा, गोलमेज सम्मलेन में आरक्षण पर विमर्श, काका कालेलकर, मंडल आयोग और महाजन आयोग के साथ गौरीशंकर बिशेन आयोग की रिपोर्ट का हवाला दिया गया है इसमें ओबीसी को आनुपातिक प्रतिनिधित्व देने की बात कही गई है। जबलपुर की एडवोकेट यूनियन फार डेमोक्रेसी एंड सोशल जस्टिस नामक संस्था ने ये याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया है कि मध्य प्रदेश में ओबीसी वर्ग को एससी-एसटी के समान आरक्षण दिया जाए। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता विनायक प्रसाद शाह, रामेश्वर सिंह ठाकुल, परमानंद साहू, पुष्पेंद्र शाह और रूप सिंह मरावी ने पक्ष रखा है। दलील दी गई है कि सैकड़ो साल पुरानी भारतीय वैदिक सामाजिक व्यवस्था में आज के सभी ओबीसी वर्ग को शूद्र वर्णित किया गया है। मंडल आयोग ने वैदिक सभ्यता में व्याप्त सामाजिक विषमता और भेदभाव को वर्तमान आरक्षण का मूल आधार बताया गया है। याचिका में ये तर्क दिया गया है कि 26 जनवरी 1950 से संविधान लागू होने के बाद ओबीसी वर्ग को आरक्षण के अधिकारों से संबंधित काका कालेलकर, मण्डल आयोग, महाजन आयोग और गौरीशंकर बिसेन आयोग की रिपोर्ट भी आई है।

रेलवे ने शुरू की स्पेशल ट्रेन, सावन में होंगे बाबा महाकाल के दर्शन आसान

उज्जैन। उज्जैन सनातन धर्म में सावन महीने का सबसे अधिक महत्व माना जाता है। इसके साथ ही इसे सबसे पवित्र महीनों में से एक माना गया है यह पूरा महीना भगवान शिव की आराधना के लिए समर्पित होता है। मध्य प्रदेश के उज्जैन में कालों के काल महाकाल का एक ज्योतिर्लिंग स्थित है यहां पर पूरे प्रदेश और देश से सावन माह में लाखों की संख्या में भक्त महादेव के दर्शन करने के लिए आते हैं।इसे देखते हुए रेलवे ने मध्य प्रदेश के यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी दी है। इस साल सावन माह की शुरुआत 22 जुलाई से होने जा रही है रेलवे की तरफ से सावन माह में बाबा महाकाल के भक्तों का ध्यान में रखते हुए नई ट्रेन की शुरूआत की गई है यह स?पेशल ट्रेन प्रदेश की राजधानी भोपाल से उज्जैन तक चलाई जानी है। इस स्पेशल ट्रेन के माध्यम से भक्त आराम से बाबा के दर तक पहुंच सकते हैं उज्जैन पहुंच कर भक्त आसानी से बाबा महाकाल के दर्शन कर सकते हैं। इस स्पेशल ट्रेन की शुरुआत रेलवे ने 11 जुलाई से कर दी है, जो कि आने वाले 1 सितंबर 2024 तक चलाई जानी है रेलवे के द्वारा शुरू की गई ये स्पेशल ट्रेन भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से रात के 2.10 पर रवाना होगी। ये ट्रेन सुबह करीब 7.30 बजे महाकाल की नगरी उज्जैन पहुंच जाएगी। इसी क्रम में ये उज्?जैन से रात में 9 बजे निकलेगी और वापस रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर करीब 1 बजे वापस आ जाएगी इस ट्रेन की मदद से हजारों यात्रियों को बाबा के दर्शन आसानी से मिल सकते हैं और बाबा के भक्त आराम से सीट बुक कर महाकाल के दर्शन करने के लिए जा सकते हैं।

क्या होगा ट्रेन का रूट और कितने होंगे स्टॉप

रेलवे ने इस स्पेशल ट्रेन के लिए जारी किए गए टाइम टेबल में बताया है कि गाड़ी संख्या 09314 भोपाल-उज्जैन स्पेशल ट्रेन 12 जुलाई से 1 सितंबर तक भोपाल से रोजाना रात 2.10 बजे चलेगी और रात 2.35 बजे संत हिरदाराम नगर और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए सुबह उज्जैन पहुंचेगी। इस सफर के दौरान गाड़ी 8 स्टेशनों पर रुकेगी। जिनमें संत हिरदाराम, सीहोर, कालापीपल, शुजालपुर, अकोदिया, कालीसिंध, मक्सी और तराना रोड शामिल हैं इसी क्रम में गाड़ी संख्या 09313 उज्जैन-भोपाल स्पेशल ट्रेन 11 जुलाई से 31 अगस्त तक उज्जैन से रोजाना रात 9 बजे चलेगी और रात 1 बजे भोपाल स्टेशन पहुंचेगी।

कंटेनर पलटते ही मची शराब की लूट, गाय को बचाने की कोशिश में हुआ हादसा

सागर। राहतगढ़ थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार शराब से भरा कंटेनर ट्रक गाय को बचाने की कोशिश में अनियंत्रित होकर पलट गया। बुधवार को गाजीखेड़ा गांव के पास कंटेनर के पलटते ही शराब लूटने के लिए लोगों की भीड़ लग गई। दुर्घटना में कंटेनर ड्राइवर घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।कंटेनर ट्रक शराब लेकर बड़वाह से सागर जा रहा था। इसी दौरान गाजीखेड़ा के पास अचानक ट्रक के सामने गाय आ गई। ड्राइवर ने गाय को बचाने की कोशिश की, इस प्रयास में कंटेनर अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना में कंटेनर चालक 30 वर्षीय बबलू राजपूत घायल हुआ है। बबलू रायसेन के सुल्तानपुर का रहने वाला है। ड्राइवर को इलाज के लिए राहतगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है।ट्रक पलटते ही कंटेनर में भरी शराब की बोतलें टूटने से शराब रिसने लगी। जिसे देख आसपास के लोग कुप्पा, बोतल लेकर शराब भरने के लिए दौड़। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को कंटेनर से दूर कराया वहीं मामला जांच में लिया।

बारिश के बाद अस्पताल में बढ़ी मरीजों की संख्या

भोपाल। बारिश होने के बाद शहर में वायरल फैलने से मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। जिला अस्पताल में रोजाना 250 से 300 मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। वायरल फैलने का कारण लगातार हुई बारिश के बाद मौसम में बढ़ रही गर्मी बताया जा रहा है।डॉक्टरों द्वारा लोगों को वायरल से बचने के लिए अलग-अलग प्रकार के नुस्खे बताए जा रहे हैं। जिला अस्पताल में सबसे खस्ता हालत महिला मेडिकल वार्ड में देखी जा रही है। यहां महिला मरीजों की संख्या बढ़ने से मरीजों को लिटाने के लिए पलंग कम पड़ रहे हैं। जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ने से डॉक्टरों को इलाज करने में परेशानी हो रही है जिसके कारण ज्यादातर मरीजों के लिए जमीन में गद्दे बिछाकर ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। अस्पताल में सबसे अधिक मरीज ग्रामीण क्षेत्र से पहुंच रहे हैं। वायरल से लोगों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द और डायरिया का खतरा अधिक बढ़ गया है। वहीं बच्चों में हैजा व दस्त की शिकायत अधिक देखी जा रही है। जिला अस्पताल में सुबह से शाम तक 300 तक मरीज पहुंच रहे हैं, जबकि अंचल के सरकारी अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या बढ़ी है।

बचाव के साथ करें उपाय

बरसात के बाद फैल रही बीमारी से बचने के लिए डॉक्टरों द्वारा लोगों को सावधानियां बताई जा रही हैं जिसमें बाजार की दूषित वस्तुओं न खाना, पानी को ढक कर अथवा गर्म करने के बाद पिएं, वायरल वाले व्यक्ति के संपर्क में रहने से बचें, अधिक धूप में घर से निकलते समय मुंह को अच्छी तरह से ढक कर निकलें, जैसी कई अन्य सुझाव डॉक्टरों द्वारा दिए जा रहे हैं जिनसे लोग बीमारियों से बच सकते हैं।

मेरा सदैव ही मन रहा है कि जबेरा विधानसभा का हर परिवार स्वस्थ्य एवं समृद्ध रहे: राज्यमंत्री लोधी

दो दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न

सागर दिनकर/दमोह। स्व.श्री हजारी सिंह ठाकुर एवं स्व.श्रीमती माथुरा बाई (दादा-दादी) की पुण्य स्मृति में प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी के नेतृत्व में पीपुल्स ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर रोहित पंडित के सानिध्य में दो दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन तेंदूखेड़ा के कृषि उपज मंडी परिसर में संपन्न हुआ। स्वास्थ्य शिविर में भोपाल से आये विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निशुल्क लगभग 7741 लोगों का ओपीडी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में लगभग 1291 ईसीजी, 512 सोनोग्राफी, 1658 आर.बी.एस, 887 डिजिटल एक्स रे, 5184 खून की जांच एवं निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। इस दौरान लगभग 309 गंभीर मरीजों को चिन्हित किया है। जिन्हे आगे के इलाज हेतु भोपाल निशुल्क भेजा जाएगा एवं इलाज उपरांत निशुल्क वापस तेंदूखेड़ा लाया भी जायेगा।

राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा जबेरा विधानसभा के क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग थी की निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाए, इसी तारतम्य में दो दिवसीय शिविर आयोजित किया गया है। शिविर में सभी रोगों के विशेषज्ञ सहित 200 लोगों की टीम पीपुल्स हॉस्पिटल भोपाल से आई है, जिसमें 60 कंसलटेंट डॉक्टर भी है। क्षेत्रवासियों को नि:शुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध हो, इस दिशा में यह बड़ा कदम है, 309 लोग ऐसे चिन्हित किए गए हैं जो गंभीर है, 1200 बिस्तर का पीपुल्स हॉस्पिटल है, जिसमें सारी व्यवस्थाएं की गई है। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा शिविर में गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु मरीजों को बस के माध्यम से भोपाल के लिए रवाना किया गया, जहां मरीजों का नि:शुल्क इलाज किया जाएगा एवं रहने खाने के साथ वापसी घर भेजने का प्रबंध किया गया है। उन्होंने कहा मेरा सदैव ही मन रहा है कि जबेरा विधानसभा का हर परिवार स्वस्थ एवं समृद्ध रहे। शिविर मे मुख्य रूप से पीपुल्स हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. ए एन महस्के, कार्यकारी सहायक कार्तिकेय सिंह, डॉ अतुल पटेल, डॉ अनुराग, डॉक्टर पीयूष सिंह, डॉ अमित सिंह ,डॉ आकांक्षा सिंघई ,डॉ मनमोहन शाक्य, डॉक्टर मृदुल शाह ,डॉक्टर रितु गुप्ता, डॉक्टर अंकुर चौरसिया, डॉक्टर रिचा तोमर, डॉक्टर स्वप्निल पौराणिक, डॉ प्रशांत जैन मौजूद थे।

राजस्व महाअभियान में राजस्व संबंधी सभी प्रकरण में दर्ज कराये जायें : कलेक्टर

कलेक्टर कोचर ने राजस्व अधिकारियों को दिये निर्देश

दमोह। राजस्व महाअभियान प्रथम चरण (जनवरी-मार्च 2024) की सफलता को देखते हुए, राज्य शासन के द्वारा राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को ठीक करने हेतु राजस्व महा-अभियान 2.0 का आयोजन 16 जुलाई से 31 अगस्त 2024 तक किए जाने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने सभी संबंधित राजस्व अधिकारियों से कहा है इस अभियान का उद्देश्य राजस्व न्यायालायों में समय सीमा पर लम्बित प्रकरणों (नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्ती) का निराकरण, नए राजस्व प्रकरणों को पर दर्ज कराना, नक्शे पर तरमीम, का सैचुरेशन, समग्र का आधार से और खसरे की समग्र/आधार से लिंकिंग एवं फार्मर रजिस्ट्री का क्रियान्वयन कराना है। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा इस अभियान में राजस्व संबंधी सभी प्रकरण दर्ज कराए जाएँ।

जर्जर भवनों और अतिक्रमित शासकीय भूमि और परिसरों का हो व्यवसायिक उपयोग: विधायक खंडेलवाल

बैतूल (निप्र)। विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए जिले के जर्जर हो चुके भवनों को अनहोनी की आशंका से डिस्मेंटल किया जाना अत्यंत आवश्यक है। विधायक श्री खंडेलवाल सोमवार को कलेक्टोरेट सभागार में आयोजित टीएल की बैठक में कलेक्टर से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिले में कई शासकीय भूमि एवं भवन ऐसे है, जिन पर लोगों ने अतिक्रमण किया हुआ है। इन भूमि और भवनों को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए। साथ ही शासकीय भवनों यथा अस्पताल, स्कूल, महाविद्यालय, पंचायत की रिक्त भूमि का व्यवसायिक उपयोग किया जाए। इन भवनों के परिसरों में दुकानें एवं व्यवसायिक कॉम्पलेक्स का नियमानुसार निर्माण कराया जाए, तो स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही शासकीय संपत्ति का संरक्षण एवं विकास भी हो सकेगा। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने विधायक श्री खंडेलवाल के प्रस्ताव पर प्राथमिकता से अमल करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि तीन दिन के भीतर ऐसे जर्जर भवनों, अतिक्रमित भूमि एवं परिसरों को चिन्हित कर प्रस्तुत करें, जिससे उनके निर्माण और अतिक्रमण की कार्रवाई की जा सके।

शिकायत निवारण का लक्ष्य हो 85 प्रतिशत : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों के निराकरण में तेजी लाए। शिकायत निवारण में 79 प्रतिशत का परिणाम संतोषजनक तो है, परंतु लक्ष्य को पूरा नहीं करता। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह की 5 तारीख तक न्यूनतम 80 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण होना चाहिए। इस लक्ष्य को आगे रखकर काम करेंगे तब ही ए श्रेणी की कैटेगिरी प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर विधायक जी की उपस्थिति से शासकीय कार्यों के निष्पादन में जहां तेजी आएगी वहीं जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन के समन्वय से विकास कार्य त्वरित गति से पूरे किए जा सकेंगे।

एक पौधा मां के नाम

विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशा के अनुरूप एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत जिले में 25 लाख पौधे रोपण का लक्ष्य रखा गया है। इनमें अभी तक 14 लाख पौधे का रोपण किया जा चुका है। एक अभियान चलाकर पौधा रोपण के कार्य को पूरा किया जाना है। इस हेतु कलेक्टर, डीएफओ, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एक कार्य योजना बनाकर विधिवत भव्य समारोह के आयोजन के साथ पौधारोपण के लक्ष्य को पूरा किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कॉलोनी पर करें सख्ती : मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अक्षत जैन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में एसडीएम अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर सख्ती से अंकुश लगाए। कॉलोनी निर्माण के बाद कॉलोनाइजर बिना डेव्हलपमेंट और मुलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतते काम छोडक़र चले जाते है। उसके पश्चात कॉलोनी के निवासी सुविधाओं के लिए परेशान होते रहते है। इसलिए जरूरी है कि कॉलोनी का निर्माण कॉलोनाइजर नियमानुसार करें।

एडिप योजनांतर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) जबलपुर द्वारा

जिले के दिव्यांगजनों को नि:शुल्क कृत्रिम अंग प्रदाय करने परिक्षण शिविर आज से

दमोह। जिले की निकाय स्तर पर होने वाले दिव्यांगों के परीक्षण एवं सामग्री वितरण शिविरों की तिथि एवं स्थान नियत कर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद को निर्देश जारी किये है। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा शिविर में अधिक से अधिक दिव्यांगजनों का परीक्षण किया जाये, ताकि वे अपनी पात्रता अनुसार लाभ प्राप्त कर सकें इसकी संपूर्ण जबावदारी संबंधित जनपद एवं नगरीय निकाय की होगी। परीक्षण शिविर में दिव्यांगजनों की उपस्थिति हेतु नगर पालिका के कचरा वाहन एवं अन्य माध्यम से पर्याप्त प्रचार-प्रसार कराया जाये। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार हेतु जनपद पंचायत के समस्त ग्राम पंचायतों के सचिवों को निर्देशित किया जाये कि मुनादी आदि कराये, ग्राम पंचायत भवन में शिविर आयोजन की तिथि सूचना पटल पर लेख की जाये। शिविर स्थल पर पर्याप्त साफ-सफाई, पानी बैठने इत्यादि की समुचित व्यवस्था की जाये ताकि उपस्थित होने वाले दिव्यांगजनों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही परीक्षण हेतु एलिम्को जबलपुर से आने वाले परीक्षण दल को टेबिल कुर्सी आदि की पर्याप्त व्यावस्था भी रखी जाये। आयोजन में सभी निकाय अपने कर्मचारी की ड्यूटी लगायें जिसकी प्रति संबंधित जनपद के सी.ई.ओ. एवं जिला कार्यालय को अनिवार्यत: उपलब्ध कराई जाये। आयोजन के नोडल अधिकारी सी.ई.ओ. जनपद पंचायत होगें।कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा जनपद पंचायत दमोह एवं नगरपालिका दमोह/नगर परिषद हिण्डोरिया के लिये अम्बेडकर भवन कचौरा काम्पलेक्स दमोह में परीक्षण शिविर 18 जुलाई एवं उपकरण वितरण कैंप 01 अगस्त को, जनपद पंचायत हटा एवं नगर परिषद हटा के लिये मुख्यालय जनपद पंचायत हटा में परीक्षण शिविर 19 जुलाई एवं उपकरण वितरण कैंप 02 अगस्त को, जनपद पंचायत पथरिया एवं नगर परिषद पथरिया हेतु मुख्यालय जनपद पंचायत पथरिया में परीक्षण शिविर 22 जुलाई एवं उपकरण वितरण कैंप 08 अगस्त को, जनपद पंचायत पटेरा एवं नगर परिषद पटेरा हेतु मुख्यालय जनपद पंचायत पटेरा में परीक्षण शिविर 23 जुलाई एवं उपकरण वितरण कैंप 09 अगस्त को, जनपद पंचायत बटियागढ हेतु मुख्यालय जनपद पंचायत बटियागढ में परीक्षण शिविर 24 जुलाई एवं उपकरण वितरण कैंप 16 अगस्त को, जनपद पंचायत तेन्दूखेड़ा एवं नगर परिषद तेन्दूखेड़ा हेतु मुख्यालय जनपद पंचायत तेन्दूखेड़ा में परीक्षण शिविर 25 जुलाई एवं उपकरण वितरण कैंप 22 अगस्त को तथा जनपद पंचायत जबेरा हेतु मुख्यालय जनपद पंचायत जबेरा में परीक्षण शिविर 26 जुलाई एवं उपकरण वितरण कैंप 23 अगस्त 2024 को प्रात: 11 बजे से शाम 05 बजे तक आयोजित किये जायेंगे।

दमोह जिले में टेबल टॉप एवं मॉक अभ्यास 19 एवं 20 जुलाई को

दमोह। अपर कलेक्टर मीना मसराम ने प्राकृतिक आपदा, भूकंप, बाढ़ विषयक से संबंधित अधिकारियों से कहा है राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के द्वारा दमोह जिले में टेबल टॉप एवं मॉक अभ्यास 19 जुलाई को शाम 04 बजे जिला कार्यालय सभाकक्ष में कराया जायेगा। इसके साथ 20 जुलाई को राजनगर तालाब में दोपहर 12 बजे मॉक अभ्यास कार्यक्रम होगा। आप सभी से कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आग्रह है।

सीएम राइज विद्यालय में विद्यार्थियों के लिये एक रोबोटिक स्टेमलेब की स्थापना

समय-सीमा बैठक में 3 डी प्रिंटर के संबंध में दी गई जानकारी

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तारतम्य में राज्य शासन की नई-नई तकनीकी योजनाओं के प्रशिक्षण का प्रदर्शन समय-सीमा बैठक के दौरान काराया जा रहा है, जिससे अधिकारियों को इसका लाभ मिल सके। इसी उद्देश्य को लेकर सीएम राइज विद्यालय दमोह के फिजिक्स उच्चतर माध्यमिक शिक्षक प्रशांत कुमार जैन द्वारा 3 प्रिंटर के संबंध में जानकारी दी गई।

इस संबंध में कलेक्टर श्री कोचर ने कहा लोग 3ष्ठ प्रिंटर और इसके भी आगे फोर डायमेंशनल और फाईव डायमेंशनल तक पहुंच गये है, ये चीजें हमें पता रहे इसके लिये हम इस तरह के प्रदर्शन कराते है। इसके लिये उन्होंने शिक्षक और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया। सीएम राइज स्कूल दमोह के प्राचार्य आर.पी. कुर्मी ने बताया पिछले 2 महीने पहले हमारे यहां पर एक रोबोटिक लैब, स्टेम लैब के नाम से डेवलप की है। इसमें 3ष्ठ प्रिंटर भी है और बहुत सारी विज्ञान और टेक्नोलॉजी के फील्ड में विद्यार्थी जो सीख सकते हैं। वह सारी सुविधाएं इसमें दी गई है। यहां 3ष्ठ प्रिंटर में डिजाइनिंग से संबंधित जैसे बिल्डिंग की डिजाइनिंग, ब्रिज की डिजाइनिंग और भी अन्य डिजाइनिंग का कार्य कर सकते हैं इसके लिए उसमें प्रोग्राम फिट करना होता है। विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विश्व स्तर पर जो चीजें प्रारंभ हुई है, उन चीजों को हमारे देश में भी विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विद्यार्थियों को अवगत कराना और बेसिक नॉलेज उन्हें देना जिससे वे

जान सके की 3ष्ठ प्रिंटर क्या है, इसमें और क्या किया जा सकता है और प्रोग्राम विद्यार्थी अपने मन से बना सकते हैं। जिस चीज का प्रोग्राम उसमें डाला जाएगा वही चीज उसमें डिजाइन हो जाती है, 3ष्ठ प्रिंटर में यह अपने यहां के लिए नए कांसेप्ट है, जिले में केवल सीएम राइज स्कूल दमोह में ही इसको डेवलप किया गया है। इसमें बहुत कुछ सीख करके विद्यार्थियों के लिये आगे जाने के लिए अवसर खुलेंगे। प्राचार्य श्री कुर्मी ने कहा टीचर ट्रेंड है, उन्हें भी इसका पूरा नॉलेज है। अभी 5 दिन का प्रशिक्षण भी हुआ है, 9 जिलों में लैब स्थापित हुई है, प्रशिक्षण में इन जिलों के प्रत्येक विद्यालय से पांच-पांच विज्ञान के टीचर आए थे, उनका प्रशिक्षण 8 जुलाई से 12 जुलाई तक सीएम राइज विद्यालय दमोह में रखा गया था, इसके लिए भोपाल से टीम आई हुई थी, उन्होंने ट्रेंड किया है और बेसिक चीजें बताई हैं और प्रैक्टिकल करके भी दिखाया है। उन्होंने कहा सीएम राइज विद्यालय दमोह में शैक्षणिक व्यवस्थाएं सुद्रढ़ है, आईसीटी लेब, 10 कंप्यूटर, 05 इंटरएक्टिव पैनल, स्कूल की पूरी मॉनिटरिंग के लिए 38 सीसीटीवी कैमरे भी है, 03 स्मार्ट टीवी है, 02 प्रोजेक्टर है इनके माध्यम से समय-समय पर विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता है। अटल लैब भी है जिसमें विद्यार्थी मॉडल बनाने के प्रयास करते हैं। यहां पर फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी की 03 मुख्य लेब है, स्कूल में सिक्योरिटी के साथ-साथ हाउस कीपर है, पूरी विश्व स्तरीय सुविधाएं हैं, सरकार का प्रयास है, इसके लिए हम सरकार को धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा हमें अवसर मिला है विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता विकसित करने में, समग्र विकास ठीक-ठाक करने में इसके लिये विद्यालय परिवार का पूरा सहयोग रहेगा।

सीएम राइज विद्यालय दमोह के फिजिक्स उच्चतर माध्यमिक शिक्षक प्रशांत कुमार जैन ने बताया 2020 के अंतर्गत विद्यार्थियों में 21वीं सदी के प्रश्नों को विकसित करने के लिए भारत सरकार द्वारा स्टेम प्रोग्राम लागू किया गया जो की स्टार प्रोजेक्ट का एक भाग है। स्टार प्रोजेक्ट शिक्षण अधिक्रम के सुद्रणीकरण के लिए जून 2020 में लागू किया गया, इसके अंतर्गत स्टेम प्रोग्राम साइंस टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग और मैथ्स के विषयों का विद्यार्थियों में विकास करती है। इसी प्रोग्राम के अंतर्गत आज 3 प्रिंटिंग प्रदर्शन है, इसके जरिए विद्यार्थियों को प्रचलित रोजगार अवसरो के अलावा नये क्षेत्रों औद्यौगिकीकरण, चिकित्सा, मनोरंजन, डिजाइनिंग, आर्नामेंट डिजाइनिंग और मीडिया लिटरेशन में भी इस क्षेत्र बहुत उपयोग होता है, तो सीएम राइज विद्यालय दमोह जो कि पहले मॉडल स्कूल के नाम से जाना जाता था, उसमे विद्यार्थियों के लिए यह एक रोबोटिक स्टेमलेब की स्थापना की गई है, उसके अंतर्गत विद्यार्थियों को इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इंदौर में बैंक में दिनदहाड़े लूट रिटायर फौजी ने की

बड़ा गणपति से टोरी कार्नर तक निगम और प्रशासन की मुहिम

इंदौर। बड़ा गणपति से टोरी कार्नर तक प्रशासन और नगर निगम की टीम ने कब्जे हटाने की कार्रवाई के साथ कई दुकानों के चालान भी बनाए इस दौरान एक मेडिकल स्टोर के कर्मचारी से लायसेंस को लेकर विवाद चलता रहा करीब 11 हजार के आसपास के स्पाट फाइन किए गए एसडीएम ओमनारायण बडकुल और रिमूवल टीम के विनीत तिवारी, भारत करोसिया और अन्य निगम कर्मचारियों की टीम ने बड़ा गणपति से कब्जे हटाने की कार्रवाई का अभियान शुरू किया। इस दौरान सडक़ के दोनों ओर दुकानों के कई कब्जे थे और ऐसे दुकानदारों के स्पाट फाइन भी किए गए। निगम अधिकारियों के मुताबिक दुकानों का सामान बाहर तक फैलाकर रखा गया था और टीम को देखते ही कई दुकानदारों ने सामान हटाना शुरू कर दिया था। टोरी कार्नर क्षेत्र में एक मेडिकल स्टोर के संचालक से निगम कर्मियों का विवाद हो गया था। मामला लाइसेंस बताने तक पहुंच गया था। बाद में मल्हारगंज थाने के पुलिसकर्मियों ने मामला संभाला। अधिकारियों के मुताबिक करीब 11 हजार के स्पाट फाइन किए गए। 10 दुकानदारों का सामान बाहर तक पड़ा था, जिसमें से कुछ सामान जब्त भी कर लिया गया। प्रशासन और निगम द्वारा शहर के अलग-अलग प्रमुख मार्गों पर ऐसी मुहिम फिर चलाई जाएगी।

प्राधिकरण ने बनाया नया मंदिर, खजराना फ्लायओवर के हिस्से में बाधक था, अब जल्द ही प्रतिमा स्थापित होगी

इंदौर। खजराना फ्लायओवर के निर्माण में बाधक मंदिर को हटाने के लिए ब्रिज का निर्माण कार्य कर रही फर्म द्वारा फ्लायओवर के नीचे नया मंदिर बनाने का काम किया जा रहा है, जो कुछ दिनों में पूरा हो जाएगा ग्रीन बेल्ट के हिस्से में बना मंदिर फ्लायओवर में भी बाधक था। इसको लेकर क्षेत्रीय रहवासियों से चर्चा के बाद फ्लायओवर के नीचे प्राधिकरण द्वारा ही नया मंदिर बनाने का काम शुरू किया गया मंदिर का निर्माण पूर्ण होते ही प्रतिमाओं का स्थानांतरण कर दिया जाएगा। इससे पहले भंवरकुआं ब्रिज के लिए भी एक मंदिर बाधक बना था, लेकिन उसके गुंबद को छोटा कर मंदिर को वहीं रखने की सहमति पर ब्रिज का काम आगे बढ़ा। चूंकि खजराना ब्रिज का यह मंदिर फ्लायओवर के नीचे की तरफ आ रहा है, इसलिए पूरा मंदिर हटाना प्राधिकरण की मजबूरी है। इसके चलते प्राधिकरण द्वारा अपने खर्च से उक्त मंदिर का निर्माण कार्य किया जा रहा है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद विधि-विधान से सारी प्रतिमाएं शिफ्ट की जाएंगी एक माह के अंतराल में मंदिर का सारा काम पूरा होने की उम्मीद है। उसके बाद ही ब्रिज की दूसरी भुजा का काम पूर्ण हो सकेगा तब तक एक भुजा शुरू किए जाने की तैयारी की जा रही है।

सड़क पार करते ऑटो ड्रायवर को कार ने मारी टक्कर, मौत

इंदौर। इंदौर में एक ऑटो ड्रायवर की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह सड़क पार कर रहा था इस दौरान उसे कार ने टक्कर मार दी इससे उसके शरीर में गंभीर चोटें आई। लोगों ने ऑटो चालक को अस्पताल पहुंचाया,लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई घटना राजेंद्र नगर क्षेत्र की है ऑटो चालक रवींद्र पिता लक्ष्मण निवासी भीम नगर रिक्शा सड़क किनारे पार्क कर सड़क पार कर पान की दुकान की तरफ जा रहा था। इस बीच सड़क पर तेज गति से आ रही कार ने रवींद्र को टक्कर मार दी।कार की टक्कर से वह दूसरी तरफ जा गिरा हादसा देख राहगिर रुके और एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस के आने तक रवींद्र के शरीर से काफी खून बह गया था उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया,लेकिन उपचार के दौरान उसकी हो गई।कार की टक्कर से वह दूसरी तरफ जा गिरा हादसा देख राहगिर रुके और एंबुलेंस को सूचना दी एंबुलेंस के आने तक रवींद्र के शरीर से काफी खून बह गया था उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया,लेकिन उपचार के दौरान उसकी हो गई।

महू से पातालपानी ब्रॉडगेज लाइन पूरी, ट्रायल हुआ

इंदौर। महू से पातालपानी तक 5.5 किमी हिस्से में पुरानी रेल लाइन को हटाकर ब्रॉडगेज नई लाइन बिछाने का काम पूरा हुआ। मंगलवार को ब्रॉडगेज नई लाइन पर पातालपानी से महू तक 10 कोच के साथ स्पीड पावर डीजल इंजन के साथ सीआरएस के द्वारा ट्रैक का फाइनल ट्रायल लिया गया जिसमें पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी साथ में थे। अब महू से पातालपानी ट्रेन चल सकेगी।

पश्चिम रेलवे मंडल में हो रेल सुविधाओं का विस्तार

इंदौर। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने भेंट कर इंदौर शहर (पश्चिम रेलवे मंडल) में विभिन्न सुविधाओं के विस्तार के संबंध में चर्चा की। सिलावट ने मंत्री सिंधिया को अवगत कराया कि इंदौर मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी होकर देश के मेट्रो शहरों की श्रेणी में तेजी से विकसित हो रहा है। साथ ही वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ महापर्व में आने वाले श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधाओं को देखते हुए रेल सुविधाओं का विस्तार किया जाना जनहित में अत्यंत आवश्यक है। सिलावट ने मंत्री सिंधिया से पश्चिम रेलवे मंडल में विभिन्न सुविधाओं के विस्तार हेतु कार्य कराये जाने की स्वीकृति प्रदान करने हेतु केन्द्रीय रेल मंत्री से अनुशंसा करने का अनुरोध किया। सिलावट ने फतेहाबाद-चंद्रावतीगंज रेलवे स्टेशन को मॉडल स्टेशन के रूप में विकसित करने, मांगलिया रेलवे स्टेशन को मॉडल स्टेशन के रूप में विकसित करने, इंदौर अमृतसर रेल को सप्ताह में तीन दिन चलाये जाने, ट्रेन संख्या 20957/58 इंदौर-नई दिल्ली-इंदौर जो सप्ताह में तीन दिन चल रही है को प्रतिदिन चलाने का अनुरोध किया। साथ ही महू-फतेहाबाद (चंद्रावतीगंज) जंक्शन महू के बीच सुबह के समय एक डेमू ट्रेन का संचालन किया जाता था जिसका पुनः संचालन करने, वर्तमान में चल रही डेमू रैक के स्थान पर मेमू रैक का परिचालन करने, ट्रेन संख्या 11125/26 (ऋह्वद्व-ल्र2द्य श्व×श्व) तथा 12125/26 को नीमच तक बढ़ाये जाने का अनुरोध किया।

वार्ड क्रं 70 में मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

इंदौर। महिलाओं को उनके अधिकार, उनसे जुड़े कानूनी प्रावधानों और उनके कल्याण के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी देने के लिए 100 दिन का जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 70 के गडरिया मोहल्ले में कार्यक्रम आयोजित किया गया। डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन इंदौर की जिला मिशन समन्वयक डॉ वंचना सिंह परिहार ने बताया कि यह कार्यक्रम मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण की समस्त योजनाओं एवं महिलाओं संबंधित कानून एवं उनके अधिकारों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ऊर्जा डेस्क, वन स्टॉप सेंटर, घरेलू हिंसा से बचाव, छेड़छाड़ रोकने आदि के संबंध में जानकारी दी गई। स्वधार शक्ति सदन, सखी निवास वर्किंग वुमन हॉस्टल, वात्सल्य योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ आदि योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए आवश्यकतानुसार पंजीयन के लिए भी महिलाओं को प्रोत्साहित किया गया।

लूट के रुपयों से कर्ज उतारा, घर के लिए नई टीवी भी लाया

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में पंजाब नेशनल बैंक में दिनदहाड़े 6.64 लाख रुपए की लूट एक सिक्योरिटी गार्ड (रिटायर फौजी) ने की थी। फुटेज में गार्ड नकाब और रेनकोट पहने दिखा था। पुलिस ने आरोपी गार्ड की हरे रंग की बाइक का करीब 1000 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए पीछा किया और घर ढूंढ निकाला। पत्नी ने नकाब और रेनकोट में पति के ही होने की पुष्टि की। जिसके बाद पुलिस ने लूट के तीन लाख रुपए, रेनकोट, हरे रंग की बाइक, जूते और बंदूक जब्त की है। सूत्रों के मुताबिक, गार्ड को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हालांकि पुलिस उसे फरार बता रही है। इंदौर पुलिस का दावा है कि आरोपी 16 जुलाई की दोपहर 4.41 बजे वारदात के बाद अपने घर गया था। उसने लूट का रुपया पत्नी और बेटी को सौंपा और फिर चला गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी को तलाश रहे हैं। वारदात में एक ही आरोपी होना पता चला है। पुलिस ने प्रेस कांफ्रेंस में पूरे मामले का खुलासा किया। कमिशनर राकेश गुप्ता ने कहा कि इस मामले में पुलिस की टीम पूरी रात आरोपी को ढूंढती रही। पूरी टीम को सम्मानित किया जाएगा। शहर के स्कीम नंबर 54 में मंगलवार शाम पंजाब नेशनल बैंक से एक बदमाश 6 लाख 64 हजार रुपए लूट ले गया था। नकाब और रेनकोट पहने बदमाश ने बैंक में घुसकर 315 बोर की बंदूक से हवाई फायर भी किया।

कैश काउंटर पर बैठी महिला कर्मचारी से बैग में रुपए भरवाए और भाग निकला था। बुधवार दोपहर प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने बताया कि बैंक लूटने वाले गार्ड का नाम अरुण कुमार सिंह है। वह रिटायर फौजी है। 1999 से 2006 तक सेना में रह चुका है। शराबखोरी और स्वास्थ्य के कारणों से अरुण को सेना से बाहर कर दिया था। इसके बाद अरुण सिंह सिक्योरिटी गार्ड बन गया। वह बैंक ऑफ इंडिया की पलासिया ब्रांच पर भी नौकरी कर चुका है। इसी वजह से उसे बैंक की गतिविधियों के बारे में जानकारी थी। आरोपी वारदात वाले पंजाब नेशनल बैंक के पास ही डेढ़ साल से गोल्ड माइन ज्वेलर्स पर सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी की। वहां उसे पता था कि बैंक में कोई गार्ड नहीं है। उसके बाद उसने रैकी शुरू कर दी थी।

लूट के रुपए से कर्ज उतारा, टीवी भी खरीदी

पुलिस के मुताबिक बैंक लूटने के बाद आरोपी ने सबसे पहले कर्ज के पैसे चुकाए। इसी पैसे से अरुण सिंह की पत्नी ने लोटस शोरूम से 50 हजार रुपए की टीवी खरीदी और फिर फरार हो गया था।

बाइक के नंबर से किया ट्रेस

लूट के बाद पुलिस की अलग-अलग टीमें शहर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही थीं। मौका-ए-वारदात पर एक्टिव मोबाइल नंबर और कॉल डिटेल की भी जांच की जा रही थी। टीमें फुटेज देखते देखते बापट चौराहे तक पहुंची उसके बाद फिर एमआर 10 पकड़कर गौरी नगर, दीनदयाल उपाध्याय नगर, लवकुश आवास विहार, अभिनंदन नगर, गौरीनगर से वीणा नगर, वीणा नगर से श्याम नगर तक पहुंची। पुलिस टीम ने मिलकर करीब 1172 सीसीटीवी कैमरे चैक किए। इसके बाद पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त की। इस दौरान सुबह करीब 4.30 बजे पुलिस को एक घर के आगे बाइक खड़ी हुई मिल गई। यह मकान सिक्योरिटी गार्ड अरुण सिंह का निकला।

पत्नी बोली, मुझे बैग लाकर दिया और खुद रात में ही कहीं चले गए

जिस घर के आगे बाइक खड़ी थी वहां दरवाजा खटखटाने पर पड़ोसी बाहर आए। उनसे पूछा कि यह मोटर साइकल जिसकी है क्या उसके पास बंदूक है। उन्होंने बताया कि हां वह व्यक्ति रिटायर्ड फौजी है और गार्ड का काम करता है और बंदूक भी रखता है। पुलिस ने तत्काल घर का दरवाजा खुलवाया। यहां अरुण सिंह की पत्नी प्रीति बाहर आई। उसने बताया कि पति मंगलवार शाम 5 बजे घर आए थे। इसके बाद वे रात में कहीं चले गए। मुझे एक बैग दे गए हैं। तलाश लेने पर बैग घर में ही मिल गया। इस पर पीएनबी की स्लिप लगी थी। बैग से तीन लाख रुपए भी बरामद किए।

दवा व्यापारी से लूट की कोशिश

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के भंवरकुआ में एक दवा व्यापारी को बाइक सवार दो बदमाशों ने टक्कर के बहाने लूटने की कोशिश की। पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ लिया है। वहीं दूसरे की तलाश की जा रही है। भंवरकुआं पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक संजय पुत्र बसंत बुधोलिया निवासी सेक्टर ई सुदामा नगर की शिकायत पर आदिल पुत्र शकील शेख निवासी कोहिनूर कॉलोनी और रहमान निवासी मदीना मस्जिद पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने जानकारी में बताया कि दवा व्यापारी संजय कार से चोइथराम के रास्ते एमवाय के सामने वीसी चेंबर में जा रहे थे। जब वह मेडिस्क्येयर हास्पिटल के यहां पहुंचे तो दोनों आरोपी बाइक पर वहां पहुंचे और कहा कि तुमने हमारी बाइक का एक्सीडेंट किया है। उन्होंने 10 हजार रुपए मांगे। संजय ने रुपए देने से इनकार किया तो दोनों मारपीट करने लगे। आसपास के लोग वहां पहुंचे और संजय को बचाया। कुछ ही देर में भंवरकुआ पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने आदिल को पकड़ा लिया। वहीं दूसरा आरोपी रहमान मौके से भाग गया।

फुटेज में देखकर पत्नी ने की शिनाख्त

डीसीपी जोन-2 अभिनव विश्वकर्मा की टीम गार्ड अरुण सिंह के घर तक पहुंची। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के एटा का रहने वाला है। फिलहाल, हीरा नगर थाना क्षेत्र के श्याम नगर में रहता है। पुलिस को उसके घर से बैंक तक जाने और बैंक से घर आने तक के फुटेज मिले हैं। पुलिस जब उसके घर पहुंची तो पत्नी को ग्रीन कलर की बाइक, नकाब और रेनकोट पहने फुटेज दिखाए। पत्नी ने फुटेज में अरुण के होने की पुष्टि की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मामले में एक अन्य बैंक कर्मचारी की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है।

बीकॉम छात्रा से मारपीट कर न्यूड फोटो खींचकर ब्लैकमेल किया, घर में घुसकर बनाया अश्लील वीडियो, मामला दर्ज

इंदौर। भंवरकुआ पुलिस ने बीकॉम स्टूडेंट की शिकायत पर पड़ोसी पर आईटी एक्ट, छेड़छाड़ और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। छात्रा का कहना है कि एक माह पहले मारपीट करते हुए युवक ने उसके न्यूड फोटो खींचे। इसके बाद वह उसे ब्लैकमेल करने लगा। मंगलवार को कॉलेज से घर आते समय आरोपी उसे सुनसान इलाके में ले गया और मारपीट की। भंवरकुआ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 23 साल की छात्रा की शिकायत पर विशाल योगी पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। वह एक ही इलाके के होने के चलते विशाल को अच्छे से जानती है। 6 माह पहले दोनों में दोस्ती हो गई।करीब 1 माह पहले विशाल घर आया। तब छात्रा के घर पर कोई नहीं था। इसके बाद विशाल ने उसके न्यूड फोटो-वीडियो बनाए। विशाल को रोका तो उसने मारपीट की। इसके बाद विशाल फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। मंगलवार की दोपहर जब पीड़ित छात्रा कॉलेज से अपने घर आ रही थी तब विशाल उसे जबरदस्ती सुनसान इलाके में ले गया। उसने फोटो, वीडियो वायरल करने की धमकी दी।इस दौरान दोनों के बीच हाथापाई हुई। इससे छात्रा के सिर और हाथ में चोट लग गई। छात्रा ने घर पहुंचकर परिवार को पूरा घटनाक्रम बताया और विशाल पर केस दर्ज करा दिया।

भोपाल-उज्जैन के मध्य स्पेशल ट्रेन चलेगी

इंदौर। यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्?यान में रखते हुए भोपाल-उज्जैन के मध्य स्पेशल पैसेंजर ट्रेन चलाई जा रही है। रतलाम मंडल के वरिष्ठ जन संपर्क अधिकारी प्रदीप शर्मा के अनुसार भोपाल से उज्जैन के मध्य यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सप्ताह में छ्न्दिन चलेगी। तदनुसार ट्रेन 08235 भोपाल उज्जैन स्पेशल 17 से 31 जुलाई, 2024 तक प्रति गुरुवार को छोड़कर प्रतिदिन भोपाल से 17=50 बजे चलेगी जो संत हिरदाराम नगर 18=15 बजे, सीहोर 18=39 बजे, कालापीपल 19=04 बजे, शुजालपुर 19=17 बजे, अकोदिया 19=30 बजे, कालीसिंध 19=45 बजे, मक्सी 20=28 बजे एवं तराना रोड 20=39 बजे होते हुए 21=20 बजे उज्जैन स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में ट्रेन 08236 उज्जैन भोपाल स?पेशल 18 जुलाई से 01 अगस?त, 2024 तक प्रति शुक्रवार को छोड़कर प्रतिदिन उज्?जैन से प्रात= 05.00 बजे चलेगी जो तराना रोड 05=30 बजे, मक्सी 05=44 बजे, कालीसिंध 06=18 बजे, अकोदिया 06=44 बजे, शुजालपुर 07=15 बजे, कालापीपल 07=30 बजे, सीहोर 08=28 बजे एवं संत हिरदाराम नगर 09=23 बजे होते हुए 09=45 बजे भोपाल स्टेशन पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सभी स्टेशनों पर दो मिनट के लिए रुकेगी।

आदिवासी कन्या छात्रावास में गंभीर अनियमितताएं

वॉर्डन छात्राओं को बिना अनुमति बाहर ले जाती थी, होस्टल में पुरुषों को बुलाती थी, सस्पेंड

इंदौर (एजेंसी)। शहर से करीब 35 किमी दूर चोरल के आदिवासी कन्या छात्रावास से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है। यहां की वॉर्डन शिल्पा गौड़ द्वारा छात्राओं की सुरक्षा को ताक पर रखकर बाहर के पुरुषों को होस्टल में बुलाने और बिना अनुमति बच्चियों को बाहर ले जाने सहित अन्य अनियमितताएं सामने आई हैं। दो छात्राओं ने वॉर्डन को लेकर जिला प्रशासन को गंभीर शिकायत की थी। सोमवार को एसडीएम महू चरणजीत हुड्डा और आदिम जाति कल्याण विभाग की टीम ने होस्टल की जांच की। गंभीर लापरवाही के चलते गौड़ को सस्पेंड कर उनका मुख्यालय शासकीय संभागीय आवासीय स्कूल मोरोद किया गया है।

बंद मिले सीसीटीवी कैमरे

छात्राओं की शिकायत थी, वॉर्डन जब बाहर के पुरुषों को होस्टल बुलाती थी तब सीसीटीवी कैमरे बंद कर देती थी। जांच में सोमवार को होस्टल के अधिकांश कैमरे बंद मिले। छात्राओं का कहना है वॉर्डन की मौजूदगी में पुरुष होस्टल में ही शराबखोरी भी करते हैं। छात्राओं से खुद के कपड़े धुलवाने का आरोप भी वॉर्डन पर है। छात्राओं द्वारा शिकायत करने पर वॉर्डन ने दोनों को होस्टल से निकाल दिया है।

बिना अनुमति होस्टल से गायब

वॉर्डन छात्राओं की सुरक्षा को ताक में रखकर बिना अनुमति होस्टल से गायब रहती थी। इसके अलावा छात्राओं को भी बाहर ले जाती थी।

होस्टल में खाना बनाने वाले कर्मचारियों पर बाहर के पुरुषों को खाना खिलाने का दबाव बनाती थी। इसके अलावा, बच्चियों को खाने में नशीला पदार्थ देने, अन्य पुरुषों के साथ जबरदस्ती खाना खाने का दबाव बनाने के आरोप भी छात्राओं ने लगाए हैं।

बीकॉम स्टूडेंट के न्यूड फोटो खींचकर ब्लैकमेल किया

घर में घुसकर बनाया अश्लील वीडियो, सुनसान इलाके में मारपीट की, केस दर्ज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की भंवरकुआ पुलिस ने बीकॉम स्टूडेंट की शिकायत पर पड़ोसी पर आईटी एक्ट, छेड़छाड़ और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। छात्रा का कहना है कि एक माह पहले मारपीट करते हुए युवक ने उसके न्यूड फोटो खींचे। इसके बाद वह उसे ब्लैकमेल करने लगा। मंगलवार को स्कूल से आते समय आरोपी उसे सुनसान इलाके में ले गया और मारपीट की।

भंवरकुआ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 23 साल की छात्रा की शिकायत पर विशाल योगी पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। वह एक ही इलाके के होने के चलते विशाल को अच्छे से जानती है। 6 माह पहले दोनों में दोस्ती हो गई। करीब 1 माह पहले विशाल घर आया। तब छात्रा के घर पर कोई नहीं था। इसके बाद विशाल ने उसके न्यूड फोटो-वीडियो बनाए। विशाल को रोका तो उसने मारपीट की। इसके बाद विशाल फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। मंगलवार की दोपहर जब पीड़ित छात्रा कॉलेज से अपने घर आ रही थी तब विशाल उसे जबरदस्ती सुनसान इलाके में ले गया। उसने फोटो, वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इस दौरान दोनों के बीच हाथापाई हुई। इससे छात्रा के सिर और हाथ में चोट लग गई। छात्रा ने घर पहुंचकर परिवार को पूरा घटनाक्रम बताया और विशाल पर केस दर्ज करा दिया।

डीएवीवी में एविएशन के कोर्स शुरू होंगे

इंदौर (एजेंसी)। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने एयरपोर्ट, विमानन कंपनियों और एविएशन इंडस्ट्री में नौकरी के इच्छुक युवाओं और विद्यार्थियों के लिए खास पहल की है। डीएवीवी एविएशन इंडस्ट्री से जुड़े डिप्लोमा और डिग्री कोर्स शुरू करने जा रहा है। इसकी शुरुआत ड्रोन पायलट ट्रेनिंग सर्टिफिकेट कोर्स से होगी। डीएवीवी सबसे पहले ड्रोन की ट्रेनिंग शुरू कर रहा है। इसके लिए डीएवीवी ने एमपी फ्लाइंग क्लब के साथ एमओयू साइन किया है। एविएशन इंडस्ट्री में काम करने के इच्छुक विद्यार्थियों और युवाओं के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने इसी शैक्षणिक सत्र से विमानन कंपनियों से संबंधित इन कोर्स का संचालन शुरू करने का निर्णय लिया। डीएवीवी की ओर से कुलपति डॉ. रेणु जैन और एमपी फ्लाइंग क्लब के सचिव मिलिंद महाजन ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। डीएवीवी कुलपति डॉ. रेणु जैन ने बताया कि एमओयू के तहत डीएवीवी में एविएशन डिग्री कोर्स, जिनमें बीएससी एविएशन, बीबीए एविएशन मैनेजमेंट, एविएशन सीपीएल 4 वर्षीय कोर्स शामिल हैं। इसके तहत प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों में डिप्लोमा और डिग्री सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होंगे।

संपादकीय

अमेरिकी सुरक्षा एजंसियों पर उठ रहे सवाल

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले के बाद स्वाभाविक ही वहां की सुरक्षा और खुफिया एजंसियों पर सवाल उठने लगे हैं। ट्रंप इस बार के राष्ट्रपति चुनाव में फिर से उम्मीदवार हैं। वे पेन्सिल्वेनिया के बटलर में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे कि एक युवक ने पास की एक छत से उन पर गोली दाग दी। गनीमत है कि निशाना चूक गया और गोली ट्रंप के दाहिने कान को चीरती हुई निकल गई। सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को वहीं ढेर कर दिया। राष्ट्रपति जो बाइडन ने घटना की सख्त निंदा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। मगर इस घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजियां शुरू हो गई हैं।

रिपब्लिकन पार्टी के कुछ नेताओं ने आरोप लगाया कि जो बाइडेन के भाषणों से ट्रंप पर हमला करने की शह मिली। यह हत्या का प्रयास था। हालांकि अमेरिका में यह पहली घटना नहीं है, जब किसी नेता पर जानलेवा हमला हुआ। मगर दुनिया भर में सबसे सतर्क और चाक-चौबंद मानी जाने वाली अमेरिकी सुरक्षा प्रणाली पर सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं कि ट्रंप पर हमला करने वाले के बारे में घटना से कुछ समय पहले सूचना दे दी गई थी। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया है कि हमलावर को पास के घर की छत पर स्पष्ट रूप से देखा गया था और उसने सुरक्षाकर्मियों को इसकी सूचना भी दी थी।

चूंकि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की सरगर्मी है और ट्रंप की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है, इस घटना को राजनीति के केंद्र में ला दिया गया है। कई विश्लेषक मानते हैं कि इस घटना से ट्रंप को सहानुभूति मिलेगी और उनकी दावेदारी और मजबूत होगी। हालांकि अमेरिका में मतदाताओं को इस तरह प्रभावित करना थोड़ा कठिन माना जाता है। अमेरिकी खुफिया एजंसी एफबीआइ अभी पता नहीं लगा सकी है कि हमलावर का उद्देश्य क्या था। उसका कहना है कि हमलावर ने अकेले हमले की योजना बनाई थी, उसका किसी अन्य समूह से कोई संबंध नहीं था, इसलिए उसके मकसद के बारे में जान पाना कठिन है। मगर अमेरिका में पिछले कुछ समय से जिस तरह का वातावरण बना है, उसमें युवाओं के भीतर पनपे हिंसक व्यवहार का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। पिछले चुनाव में जब ट्रंप चुनाव हारे थे, तब उनके समर्थक अमेरिकी संसद में घुस गए और वहां भारी तोड़-फोड़ की थी। वहां नस्लीय हिंसा और दूसरे देशों के नागरिकों के प्रति युवाओं में नफरत का जैसा मानस बना है, उससे वहां के वातावरण का अंदाजा लगाया जा सकता है।

छिपी बात नहीं है कि अमेरिका में महंगाई और बेरोजगारी के कारण बहुत सारे युवाओं में नाराजगी है। इस कुंठा में कई युवा हिंसक बर्ताव करते देखे जाते हैं। हालांकि ट्रंप पर हमला करने वाले युवक ने उनके समर्थक के रूप में खुद को पंजीकृत कराया था, पर जब तक ठीक-ठीक पता नहीं चल जाता कि उसने उन पर हमला क्यों किया, तब तक कुछ भी दावे के साथ कहना मुश्किल है। मगर यह घटना अमेरिकी लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय इसलिए है कि ऐसी चुनावी हिंसा इससे पहले वहां नहीं देखी गई। अगर अमेरिकी युवाओं में ऐसी प्रवृत्ति पनप रही है, तो निस्संदेह इसे लेकर तुरंत सावधान हो जाने की जरूरत है। अच्छी बात है कि बाइडेन प्रशासन इस घटना की जांच में कोई राजनीतिक दुराग्रह नहीं दिखा रहा है।

सिंचाई क्षेत्र में मप्र के नए प्रयोग को गुजरात सरकार भी अपनाएगी: मंत्री बावलिया

मंत्री सिलावट से गुजरात के जल संसाधन मंत्री बावलिया ने की मुलाकात

इंदौर। गुजरात के जल संसाधन मंत्री कुंवरजी भाई मोहन भाई बावलिया प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट से उनके निवास पहुंचकर मुलाकात की। मंत्री ने दोनों राज्यों की सिंचाई परियोजनाओं और आपसी सहयोग पर विस्तार से चर्चा की। मंत्री बावलिया ने कहा कि सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यहां की मोहनपुरा कुंडलिया और केन बेतवा लिंक परियोजनाएं न केवल भारत में अपितु विश्व की सिंचाई परियोजना में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। मैं आज यहां मध्य प्रदेश की मोहनपुरा कुंडलिया प्रेशराइज्ड पाइप सूक्ष्म सिंचाई परियोजना और अन्य परियोजनाएं देखने आया हूं। सिंचाई के क्षेत्र में मध्य प्रदेश में किए जा रहे नित नए प्रयोगों को गुजरात सरकार भी अपनाएगी।

मंत्री सिलावट ने बताया की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में सिंचाई क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री मोदी शीघ्र ही केन-बेतवा लिंक परियोजना का भूमि पूजन करने के लिए मध्यप्रदेश आने वाले हैं। यह परियोजना प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर बदल देगी। मोहनपुरा कुंडलिया प्रेशराइज्ड पाइप सूक्ष्म सिंचाई परियोजना विश्व की अनूठी सिंचाई परियोजना है। इस परियोजना के लिए मध्य प्रदेश को केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है। आज मध्यप्रदेश का सिंचाई रकबा बढ़कर लगभग 50 लाख हेक्टेयर हो गया है। हमारा लक्ष्य वर्ष 2025 तक इसे 65 लाख हेक्टेयर और वर्ष 2028-2029 तक इसे 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाना है। मंत्री सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान और अन्य जल संरक्षण और संवर्धन संबंधी कार्यों की जानकारी दी और इस संबंध में एक पुस्तिका भी भेंट की। मंत्री बावलिया ने सिलावट को गुजरात की साबरमती रिवरफ्रंट व अन्य योजनाएं देखने का आमंत्रण भी दिया और गांधी आश्रम की प्रतिकृति स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की। इस अवसर पर विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता शिरीष मिश्रा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आज का कार्टून

भारतीय परम्पराओं के अनुपालन से देश बढ़ रहा आगे

"प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों एवं धार्मिक पर्यटन का भारत के आर्थिक विकास पर पूर्ण प्रभाव रहा है। प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों से अर्थव्यवस्था को बल मिलता रहा है इसलिए उस कालखंड में धार्मिक आयोजन निरंतर होते रहे हैं। भारत जो किसी वक्त में सोने की चिड़िया रहा है जिसका किसी वक्त में वैश्विक अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान रहा है, उस भारत के गुलाम होने के बाद उसकी अर्थव्यवस्था को मुगलों ने एवं अंग्रेजों ने तहस-नहस किया है। भारत का सनातन चिंतन जितना अधिक शक्तिशाली था गुलामी के उस दौर में उस पर किए गए आक्रमण उसे कमजोर बनाने में कामयाब रहे। परंतु, अब समय आ गया है कि भारत के प्राचीन आर्थिक चिंतन को गंभीरता के साथ देखते हुए वर्तमान आर्थिक विकास की दृष्टि को उसके साथ सामंजस्य स्थापित करना चाहिए तभी जाकर आर्थिक विकास की दृष्टि से भारत के वैभवकाल को पुनः प्राप्त किया जा सकेगा।"

प्रहलाद सबनानी

भारत में प्राचीन ऋषियों और मनीषियों की परंपरा एक गृहस्थ परंपरा रही है और उस गृहस्थ परंपरा में आध्यात्म के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन भी जुड़ा रहा है। अपने राज्य के ऋषियों के जीवन यापन की चिंता जहां राजा की प्राथमिकता में रहता था वहीं राजा को राज्य चलाने के लिए उचित मार्गदर्शन देने का सांस्कृतिक कार्य उन ऋषि-मुनियों द्वारा किया जाता था। इसलिए उन मनीषियों का चिंतन आर्थिक दिशा में भी सदैव बना रहता था। राजा अपने राज्य का विस्तार करने के साथ-साथ उसे आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध कैसे बनाएं इसके बारे में ऋषि-मुनियों के साथ बैठकर ही राज दरबार में चिंतन होता था और राज्य आर्थिक रूप से सशक्त बन जाते थे। इसलिए भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था।

प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों एवं धार्मिक पर्यटन का भारत के आर्थिक विकास पर पूर्ण प्रभाव रहा है। प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों से अर्थव्यवस्था को बल मिलता रहा है इसलिए उस कालखंड में धार्मिक आयोजन निरंतर होते रहे हैं। भारत की ऋषि परंपरा ने जन सामान्य को उन सबके साथ जोड़ कर रखा था। त्यौहारों की निरंतरता और उन्हें मनाए जाने का उत्साह भारत की तत्कालीन अर्थव्यवस्था को गति देता रहा है। आज के वक्त में भी धार्मिक पर्यटन के चलते भारतीय पर्यटन उद्योग में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। वर्तमान केंद्र सरकार के द्वारा भी पिछले 10 वर्षों में भारत में विभिन्न तीर्थस्थलों को विकसित किया जा रहा है। अभी तक जो तीर्थस्थल विकसित हो चुके हैं,वहां का पर्यटन एकदम से कई गुना बढ़ गया है। वहां की आर्थिक समृद्धि बढ़ गई है। वहां के लोगों का जीवन स्तर बढ़ गया है। वहां संपत्तियों के दाम बढ़ गए हैं। इसलिए इस दिशा में सरकार अब आगे और कार्य करने जा रही है तथा कई नवीन धार्मिक कारीडोर बनाने जा रही है,क्योंकि इससे रोजगार के लाखों नए अवसर उत्पन्न होंगे।

भारत की कुटुंब व्यवस्था अपने आप में एक अनूठी कुटुंब व्यवस्था है। भारत के संयुक्त परिवार विश्व के लिए आश्चर्य का विषय रहे हैं। इन दिनों संयुक्त परिवार विघटित अवश्य होते जा रहे हैं,लेकिन बावजूद उसके आपातकाल में एक दूसरे के लिए सबके एकत्र होने की जो जिजीविषा उन सबके भीतर है वह भारत में कुटुंब व्यवस्था का अनूठा स्वरूप है, तथा यह स्वरूप देश की अर्थव्यवस्था को भी आगे बढ़ाने का काम करता है। एक परिवार में दो हाथ कमाने जाते हों और वहीं दस हाथ कमाने जाते हों, दोनों बातों का फर्क होता है। इसलिए कुटुंब व्यवस्था में एक दूसरे के लिए आपस में खड़े होने का जो व्यवहार होता है,वह व्यवहार आर्थिक चिंतन के साथ भी जुड़ कर परिवार को आगे बढ़ाने का काम करता है। भारत में प्राचीन काल से पर्यावरण को पर्याप्त महत्व दिया जाता रहा है। देश में नदियां शुद्ध रहती थी वृक्ष घने जंगलों के रूप में रहते थे और पूरा पर्यावरण शुद्ध रहता था। पूरे विश्व में भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पर नदियों को, वृक्षों को, धरती को पूजा जाता है। पूरे पर्यावरण से परिवार का जुड़ाव धार्मिक रूप से रहता है। बहुत सारे व्रत और त्यौहार पर्यावरण से जुड़े हुए रहते हैं। इसलिए सनातन काल से भारत में पर्यावरण की चिंता रही है। जैविक विविधता ने भी भारत के सनातन काल को

समृद्ध किया। पर्यावरण संरक्षण को उस समय में नैतिक कर्तव्य माना गया है। बाद में जब मुगलों ने भारत में शासन किया और हिंदुओं का धर्मांतरण किया तो बहुत सारी परंपराएं भी खंडित होने लगी। सनातन काल में जिस गौ माता को पूजा जाता था मुस्लिम उस गौ माता को खाने लगे। मुस्लिम शासन काल भारत के पतन और विखंडन का समय था। उनके बाद जब इस देश में अंग्रेज आ गए तो उनकी निगाह में भारतीय अपरिपक्व और मूर्ख रहे इन दोनों के समय में, मुगलों ने और अंग्रेजों न भारत को दोनों हाथों से लूटकर खाली कर दिया। जो भारतीय अर्थव्यवस्था कभी विश्व की अर्थव्यवस्था का 33 प्रतिशत हिस्सा थी वह बहुत नीचे जा चुकी थी। पर्यावरण बिखरने लगा। नालंदा जैसे विश्वविद्यालय को नुकसान पहुंचाया गया। उसकी लाइब्रेरी को जला दिया गया। इस सब के पीछे भारत को ज्ञान के स्तर पर समाप्त करने की साजिश काम कर रही थी। मुस्लिम शासक हिंदुओं के धर्मांतरण पर, हिंदुओं को मारने पर और उनकी संपत्ति हड़पने पर काम कर रहे थे। ऐसा कहा जाता है कि औरंगजेब ब्राह्मणों को मारकर रोज सवा मन जनेऊ जलाता था। मंदिरों को नष्ट कर उन पर मस्जिदें बना दी गई। दक्षिण ने अपने आपको इस मुस्लिम आक्रमण से बहुत बचाया और इसीलिए भारत के दक्षिण भाग में आज भी समृद्ध मंदिर हैं,जो उस कालखंड के गौरव की प्रस्तुति के रूप में हमारे सामने खड़े हुए हैं। इसी कालखंड में भारत का भक्ति काल जरूर समृद्ध हुआ और उसने भारत के निवासियों को मानसिक ताकत प्रदान की। तुलसीदास की भक्ति के सामने अकबर जैसा आदमी डर गया और झुक गया।

भारत की आजादी की लड़ाई तो सफलतापूर्वक लड़ी गई परंतु एक दुष्परिणाम भारत विभाजन के रूप में भी सामने आया,जिसमे लाखों हिंदुओं का नरसंहार हुआ। आजादी के 70 वर्ष में भारत की वह आर्थिक उन्नति नहीं हो पाई जैसी कि अपेक्षा की गई थी। वर्ष 2014 में केंद्र में एक मजबूत सरकार ने शासन को संभाला। कठोर आर्थिक निर्णय लिए। जनता का भी उन्हें साथ मिला तथा लगभग 10 वर्ष के कार्यकाल में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो गई। वर्तमान सरकार के समक्ष बहुत बड़ी बड़ी चुनौतियां हैं और आज भारत, बहुत सी विदेशी ताकतों एवं उनके षड्यंत्रों के साथ जूझ रहा है। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि जो संकल्प लेकर भारतीय परम्पराओं के अनुरूप सरकार काम कर रही है, उसमें भारत की अर्थव्यवस्था शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। यह इस अर्थव्यवस्था की ताकत है कि कोरोना खंडकाल में भारत ने अपने 80 करोड़ गरीब लोगों को निशुल्क अन्न उपलब्ध कराया तथा कोरोना की वैक्सीन भी समस्त नागरिकों को निशुल्क उपलब्ध कराई गई। भारत अब न सिर्फ सड़क निर्माण के क्षेत्र में बड़ा काम कर रहा है, अपितु वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है। साफ सफाई, गरीबों के लिए मकान, गरीबों के लिए शौचालय जैसे छोटे-छोटे विषय भी सरकार की प्राथमिकता में हैं। सरकार किसानों का ध्यान रख रही है, किसानों को समृद्ध बना रही है और उद्योगों को भी नई दिशा प्रदान कर रही है, नए संसाधन प्रदान कर रही है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत है कि जब विश्व के अन्य देशों में मंदी की स्थिति बन रही है और वहां की अर्थव्यवस्था नीचे की ओर जा रही है तब भारत की अर्थव्यवस्था दिन-ब-दिन समृद्ध होती जा रही है।

देश में कुटीर एवं लघु उद्योग के गौरवशाली दिन वापिस लाने हेतु निरंतर कई प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार ने सहकारिता मंत्रालय का गठन कर देश में सहकारिता आंदोलन को सफल होने का रास्ता खोला है। भारत के आर्थिक विकास में विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थानों का भी बहुत बड़ा योगदान होने लगा है। बहुत सारे धार्मिक संस्थान बड़े-बड़े अस्पताल खोलकर सेवा का कार्य कर रहे हैं। समाज के विभिन्न वर्गों के द्वारा इलाज की बहुत सारी सुविधाएं देश में कई अस्पतालों में मुफ्त में प्रदान की जा रही है। सरकार ने भी एम्स के माध्यम से चिकित्सा सुविधाएं सारे देश में उपलब्ध करवाने का काम किया है। विभिन्न सामाजिक संगठन भी अपना योगदान समाज की सेवा के साथ देश की अर्थव्यवस्था के विकास में प्रदान कर रहे हैं।

भारत का योग सारे विश्व के लिए मार्गदर्शक हो गया है और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत के साथ अन्य राष्ट्र भी उन्नति करते जा रहे हैं। भारतीय नागरिक विदेशों में जाकर झंडे गाड़ रहे हैं। अमेरिका की अर्थव्यवस्था में भारतीयों का बहुत बड़ा योगदान है। प्रवासी भारतीय कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारतीयों का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में प्रवासी भारतीय भी अपना योगदान कर रहे हैं। विश्व के कई देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की बढ़ती संख्या एवं भारतीय सनातन दर्शन का प्रसार विदेशों में हो रहा है। भारत की तरह वहां पर भी मंदिरों का निर्माण हो रहा है। भारत की साधना पद्धति वहां स्वीकार की जाने लगी है।

आरपीएफ ने गत 7 वर्षों के दौरान ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत 84,119 बच्चों को बचाया

रतलाम। रतलाम मं. रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने पिछले 7 वर्षों के दौरान %ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते% के तहत 84,119 बच्चों को बचाया। पिछले सात वर्षों में, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) %नन्हे फरिश्ते% नामक एक ऑपरेशन में अग्रणी रहा है। यह एक मिशन जो विभिन्न भारतीय रेलवे जोनों में पीड़ित बच्चों को बचाने के लिए समर्पित है। पिछले सात वर्षों (2018-मई 2024) के दौरान, आरपीएफ ने स्टेशनों और ट्रेनों में खतरे में पड़े या खतरे में पड़ने से 84,119 बच्चों को बचाया है। %नन्हे फरिश्ते% सिर्फ एक ऑपरेशन से कहीं अधिक है; यह उन हजारों बच्चों के लिए एक जीवन रेखा है जो खुद को अनिश्चित परिस्थितियों में पाते हैं। 2018 से 2024 तक का डेटा, अटूट समर्पण, अनुकूलनशीलता और संघर्ष क्षमता की कहानी दर्शाता है। प्रत्येक बचाव समाज के सबसे असुरक्षित सदस्यों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।

वर्ष 2018 में %ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते% की महत्वपूर्ण शुरुआत हुई। इस वर्ष, आरपीएफ ने कुल 17,112 पीड़ित बच्चों को बचाया, जिनमें लड़के और लड़कियां दोनों शामिल हैं। बचाए गए 17,112 बच्चों में से 13,187 बच्चों की पहचान भागे हुए बच्चों के रूप में की गई, 2105 लापता पाए गए, 1091 बच्चे बिछड़े हुए, 400 बच्चे निराश्रित, 87 अपहृत, 78 मानसिक रूप से विक्षिप्त और 131 बेघर बच्चे पाए गए। वर्ष 2018 में इस तरह की पहल की तत्काल आवश्यकता को उजागर करते हुए ऑपरेशन के लिए एक मजबूत नींव रखी गई। वर्ष 2019 के दौरान, आरपीएफ के प्रयास लगातार सफल रहे और लड़कों और लड़कियों दोनों सहित कुल 15,932 बच्चों को बचाया गया। बचाए गए 15,932 बच्चों में से 12,708 भागे हुए, 1454 लापता, 1036 बिछड़े हुए, 350 निराश्रित, 56 अपहृत, 123 मानसिक रूप से विक्षिप्त और 171 बेघर बच्चों के रूप में पहचाने गए। वर्ष 2020 कोविड महामारी के कारण चुनौतीपूर्ण था, जिसने सामान्य जीवन को बाधित किया और परिचालन पर काफी प्रभाव डाला। इन चुनौतियों के बावजूद, आरपीएफ 5,011 बच्चों को बचाने में कामयाब रही।

वर्ष 2021 के दौरान, आरपीएफ ने अपने बचाव कार्यों में पुनरुत्थान देखा, जिससे 11,907 बच्चों को बचाया गया। इस वर्ष पाए गए और संरक्षित किए गए बच्चों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई जिसमें 9601 बच्चों की पहचान भागे हुए के रूप में, 961 लापता के रूप में, 648 बिछड़े हुए, 370 निराश्रित, 78 अपहृत, 82 मानसिक रूप से विकलांग और 123 बेघर बच्चों के रूप में पहचाने गए। वर्ष 2023 के दौरान, आरपीएफ 11,794 बच्चों को बचाने में सफल रही। इनमें से 8916 बच्चे घर से भागे हुए थे, 986 लापता थे, 1055 बिछड़े हुए थे, 236 निराश्रित थे, 156 अपहृत थे, 112 मानसिक रूप से विकलांग थे, और 237 बेघर बच्चे थे। आरपीएफ ने इन असुरक्षित बच्चों की सुरक्षा और उनकी अच्छी देखभाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2024 के पहले पांच महीनों में, आरपीएफ ने 4,607 बच्चों को बचाया है जिसमें 3430 घर से भागे हुए बच्चों को बचाया गया है, शुरुआती रुझान ऑपरेशन %नन्हे फरिश्ते% के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण देते हैं। ये संख्या बच्चों के भागने की लगातार जारी समस्या तथा उन्हें अपने माता पिता के पास सुरक्षित पहुंचने के लिए आरपीएफ के किए गए प्रयासों दोनों को दर्शाती हैं।

आरपीएफ ने अपने प्रयासों से, न केवल बच्चों को बचाया है, बल्कि घर से भागे हुए और लापता बच्चों की दुर्दशा के बारे में जागरूकता भी बढ़ाई है, जिसमे आगे की कार्रवाई और विभिन्न हितधारकों से समर्थन मिला। आरपीएफ का ऑपरेशन का दयारा लगतार बढ़ रहा है, रोज नई चुनौतियों का सामना कर भारत के विशाल रेलवे नेटवर्क में बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने का प्रयास कर रहा है। ट्रैक चाइल्ड पोर्टल पर बच्चों की पूरी जानकारी उपलब्ध रहती है। 135 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर चाइल्ड हेल्पडेस्क उपलब्ध है। आरपीएफ मुक्त कराए गए बच्चों को जिला बाल कल्याण समिति को सौंप देती है। जिला बाल कल्याण समिति बच्चों को उनके माता-पिता को सौंप देती है।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

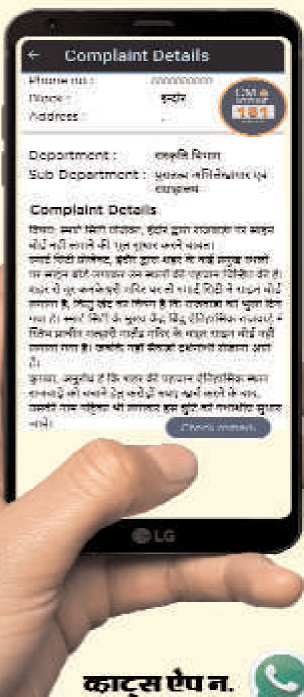

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमें उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्सऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

IIM Bangalore reclaims title as India's top business school: QS Executive MBA Rankings 2024

Global education analyst Quacquarelli Symonds today released the 2024 edition of the QS Executive MBA Ranking, in which the Indian Institute of Management (IIM) Bangalore has emerged as the top business school in India. With a global rank of 41 (an improvement of two ranks from 2023), IIM Bangalore has been crowned as the best management school in the country, followed by the Indian School of Business (ISB) at the second spot. However, ISB has slipped from its last year's rank of 100 to the range of '101-110' this year. IIM Kozhikode and Institute of Management Technology, Ghaziabad have achieved the third and fourth rank respectively, by getting a rank in the '171-180' range. These are followed by IIM Indore and Woxsen School of Business at the fifth and sixth rank respectively, with a spot in the '181+' rank range. QS President and Chair Nunzio Quacquarelli said: "QS is thrilled to celebrate the success of the Indian Institute of Management Bangalore, which has been recognised as the home of India's best Executive MBA program. This achievement highlights India's growing prominence in executive business education, doubling its representation in the ranking year-on-year. "As globalisation continues to expand, understanding diverse perspectives, cultures, and customs becomes increasingly crucial in business and beyond. Executive MBA programs play a vital role in fostering these global professional networks. The world's leading programs emphasize international diversity, career outcomes, and high-quality intake as central elements of their offerings."

Global rankers- Globally, Oxford (Said) Business School achieved the highest rank, climbing from third to first while last year's leader, HEC Paris, dropped to third. IESE Business School and MIT (Sloan) remain second and fourth respectively. London Business School breaks into the top five, climbing from seventh to fifth. Last year's fifth spot-holder, Penn (Wharton), has slipped to the sixth spot this year, and last year's sixth ranked, IE Business School, has slipped to tenth rank this time. Northwestern (Kellogg) and Yale School of Management have jumped from 11th and 13th to seventh and eighth spot this year, respectively, and INSEAD has dropped from eighth to ninth spot in this year's rankings. This instalment features 194 of the world's best executive MBA programmes across 45 countries and territories. Global education analyst Quacquarelli Symonds today released the 2024 edition of the QS Executive MBA Ranking, in which the Indian Institute of Management (IIM) Bangalore has emerged as the top business school in India. With a global rank of 41 (an improvement of two ranks from 2023), IIM Bangalore has been crowned as the best management school in the country, followed by the Indian School of Business (ISB) at the second spot. However, ISB has slipped from its last year's rank of 100 to the range of '101-110' this year. IIM Kozhikode and Institute of Management Technology, Ghaziabad have achieved the third and fourth rank respectively, by getting a rank in the '171-180' range. These are followed by IIM Indore and Woxsen School of Business at the fifth and sixth rank respectively, with a spot in the '181+' rank range. QS President and Chair Nunzio Quacquarelli said: "QS is thrilled to celebrate the success of the Indian Institute of Management Bangalore, which has been recognised as the home of India's best Executive MBA program. This achievement highlights India's growing prominence in executive business education, doubling its representation in the ranking year-on-year.

जब देश की अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है तो बड़े बदलाव की ज़रूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। जब सबकुछ सही चल रहा है तो उठा-पटक क्यों की जाए 23 जुलाई को पेश होने वाले बजट की तैयारी कर रहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सामने यही सवाल है। इस समय देश की जीडीपी ग्रोथ 8.2 प्रतिशत है। यह रफ्तार इसे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना देती है। ऐसे में क्या किसी बड़े बदलाव की जरूरत है क्यों न थोड़े-बहुत बदलावों के साथ पुराने रास्ते पर चलना ही जारी रखा जाए

बदलाव का समय

कुछ विश्लेषकों का मानना है कि बड़े बदलाव आम चुनाव के बाद ही किए जाने चाहिए। माना जाता है कि किसी भी चुनावी कार्यकाल के अंतिम दो वर्ष आमतौर पर संभलकर कदम उठाने वाले होते हैं। ऐसे सुधारवादी परिवर्तनों से बचा जाता है, जो लोगों के बीच अलोकप्रिय साबित हो सकते हैं। चुनाव के तुरंत बाद का वक्त बड़े कदम के लिए बिल्कुल सही है। तब अगले चुनाव में पूरे पांच साल बचे होते हैं।

पॉलिसी चेंज

पीएम नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को एक उच्च आय वाला देश बनाने के लिए बड़े बदलावों के अपने संकल्प के बारे में बात की है। लेकिन उन्होंने साफ नहीं किया कि वे बदलाव क्या होंगे। एक कारण यह हो सकता

है कि वह पॉलिसी चेंज के बारे में बताने से हिचक रहे। ऐसी घोषणा के लिए बजट भाषण अच्छा होता है। एक कारण यह भी हो सकता है कि सरकार के पास अभी बड़े परिवर्तन की योजना नहीं है।

पार्टी का मूड

सचाई यह है कि इस समय भाजपा का मूड कट्टरपंथी बदलाव के बजाय निरंतरता पर है। पार्टी के घोषणापत्र में पिछले पांच वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन का जिक्र किया गया था। लेकिन यह नहीं बताया गया कि किन समस्याग्रस्त क्षेत्रों में तत्काल सुधार करने की जरूरत है। घोषणापत्र का सामान्य संदेश था, हमने पिछले पांच बरसों में बहुत अच्छा काम किया है, जिसकी वैश्विक स्तर पर सराहना हुई है। हम वादा करते हैं कि उस अच्छे काम को जारी रखेंगे, इसलिए प्लीज 'मोदी की गारंटी' के लिए वोट दें।'

परिणाम में संकेत

भाजपा को उम्मीद थी कि वह आम चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी। '400 से अधिक सीटें जीतने की बात भविष्यवाणी के रूप में नहीं बल्कि प्रेरित करने के लिए कही गई थी। इस पर पार्टी के कुछ ही लोगों को भरोसा था, लेकिन आरामदायक जीत की उम्मीद अधिकांश को थी। चुनाव परिणाम इस उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। पार्टी पूर्ण बहुमत से बहुत पीछे, 240 सीटों तक सिमट गई। लेकिन इसे एक बड़ी असफलता मानने के बजाय पार्टी ने तीसरे टर्म के लिए चुने जाने का जश्न जोर-शोर से मनाया। इससे संकेत मिलता है कि बजट में वही पुरानी बातें होंगी।

क्षेत्रीय समाधान

भाजपा की आर्थिक नीतियों ने पिछले दो वर्षों में वैश्विक उथलपुथल का शानदार तरीके से सामना किया है। इस पर उसे दुनिया भर में काफी प्रशंसा मिली है। आम चुनाव में सीटों में गिरावट की वजह यूपी और राजस्थान थे। ऐसे में बजट में समाधान भी क्षेत्रीय होंगे, राष्ट्रीय नहीं।

सहयोगियों की मांग

नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू ने अपने राज्यों की वित्तीय समस्याओं को हल करने के लिए विशेष दर्जे की मांग की है। मौजूदा ह्छ सरकार में उनकी ताकत ज्यादा है, लेकिन शायद मांग पूरी कराने के लिए पर्याप्त नहीं। पहाड़ी सीमावर्ती राज्य विशेष श्रेणी में आते हैं, जिनकी समस्याएं विशेष होती हैं। बिहार और आंध्र प्रदेश इस कैटिगरी में नहीं आते। उनकी समस्याएं खुद की बनाई हुई हैं। नीतीश कुमार ने शराबबंदी लागू की, जिससे राजस्व का बड़ा जरिया खत्म हो गया। इसी तरह आंध्र की वित्तीय समस्याओं के प्रमुख कारणों में से एक है मुफ्त बिजली की योजना। इन दोनों राज्यों को बजट में कुछ अतिरिक्त मिल सकता है, लेकिन विशेष श्रेणी का दर्जा नहीं मिलेगा।

वित्तीय घाटे में कमी

पिछले वित्तीय वर्ष में राजस्व में उछाल आया, जो चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में भी जारी रहा। इसके अलावा, रिजर्व बैंक ने 2.21 लाख करोड़ रुपये का डिविडेंड घोषित किया है। यह एक ऑलटाइम रेकॉर्ड है। राजस्व में उछाल का मतलब है कि पिछले साल के लिए वित्तीय घाटा जीडीपी का 5.6 प्रतिशत हो सकता है, जबकि अंतरिम बजट में 5.8 प्रतिशत का अनुमान लगाया गया था। इन सब बातों का मतलब है कि हालिया बजट के हाई को बनाए रखते हुए भी 2024-25 में वित्तीय घाटे को 5.1 प्रतिशत तक कम करना संभव होगा।

ब्याज का बोझ

राज्यों का वित्तीय घाटा जीडीपी का 2.7 प्रतिशत है। केंद्र और राज्य का संयुक्त घाटा जीडीपी का 7.7 प्रतिशत होगा। इतना बड़ा घाटा कई विकासशील देशों को संकट में डाल सकता है। ढ्ढस्न की प्राची मिश्रा ने गणना की है कि भारत अपने पुराने कर्ज पर ब्याज भुगतान में अपने रेवेन्यू का 40 प्रतिशत खर्च करता है। वहीं, उभरते बाजारों में यह औसतन केवल 10 प्रतिशत है। यह संरचनात्मक रूप से ताजा पूंजीगत व्यय (केपेक्स) को सीमित करता है।

किसानों पर फोकस

ग्रामीण संकट की बहुत चर्चा थी। इसके बावजूद आम तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों ने भाजपा के खिलाफ मतदान नहीं किया। 5 साल पहले घोषित पीएम-किसान सम्मान निधि योजना से किसानों को प्रतिवर्ष 6000 रुपये मिले। इसे इन्फ्लेशन के हिसाब से अडजस्ट नहीं किया गया है, ऐसे में रकम को आठ-नौ हजार रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। साथ ही, भूमिहीन मजदूरों और किरायेदारों को भी जोड़ सकते हैं इसमें। आयकर में छूट की सीमा भी हाल में नहीं बदली गई है। इस सीमा को बस इतना बढ़ाया जा सकता है, जिससे इन्फ्लेशन अडजस्ट हो जाए। कुल मिलाकर, निर्मला सीतारमण को बहुत बड़े बदलाव करने की जरूरत नहीं है।

UGC Launches Project To Develop 22,000 Books In Indian Languages

The Ministry of Education and the University Grants Commission (UGC) launched a project on Tuesday to develop 22,000 books in Indian languages in the next five years. The project, titled ASMITA (Augmenting Study Materials in Indian Languages through Translation and Academic Writing), was launched by Sanjay Murthy, Secretary, Higher Education, and it will be a collaborative effort of the UGC and the Bharatiya Bhasha Samiti, a high-powered committee under the ministry, to promote Indian languages in education. "This project aims to create a robust ecosystem for translation and original book writing in Indian languages across various disciplines within higher education. The goal is to produce 1,000 books in 22 languages within five years, resulting in 22,000 books in Bharatiya bhasha," UGC Chairman Jagadesh Kumar said. Thirteen nodal universities have been identified to lead this project, along with member universities from various regions. "The UGC has also created a standard operating procedure (SOP) for the book-writing process in each assigned language. This SOP includes the identification of nodal officers, authors, allocation of title, subject and programme, writing and editing, submission of the manuscript, review and plagiarism check, finalisation, designing, proof-reading and e-publication," Kumar said. Besides, the ministry also launched the "Bahubhasha Shabdakosh", a single-point reference for all the words in all Indian languages and their meanings. "This initiative will be developed by the Central Institute of Indian Languages (CIIL) in collaboration with the Bharatiya Bhasha Samiti. This Shabdakosh will help in using Bharatiya words, phrases and sentences for various new-age domains like IT, industry, research, education," the UGC said in a statement.

FMGE 2024 Results Out

The National Board of Examinations in Medical Sciences (NBEMS) has released the results for the Foreign Medical Graduates Examination (FMGE). Candidates who appeared in the exam will be able to download their individual scorecards from the website https://nbe.edu.in/ from July 24, 2024. Meanwhile, the board has withheld the results of 78 candidates due to pending clarification from the National Medical Commission/outcome of Exam Ethics Committee. The results are hosted on the websites https://natboard.edu.in/ and https://nbe.edu.in.

NBEMS will notify the schedule for 'IN-PERSON' distribution of FMGE-June 2024 Session Pass Certificates separately. The board has also highlighted that the results of the candidates involved in any kind of unfair means if found later will be cancelled even if the results have been declared. An official notification by the NBEMS reads, "If ineligibility of candidature is detected at any stage of FMGE, the candidature shall be cancelled even if the result has been declared and/or the Pass Certificate has been issued. Use of unfair means if detected at any stage of FMGE, action will be taken against the candidate in accordance with the relevant provisions." The FMGE was held for 35,819 candidates at 71 centres spread across 50 cities in 21 states. The exam was held on a computer based platform across the country on July 6, 2024. The licensing exam is conducted by the NBEMS biannually to screen Indian or overseas citizen who possess a primary medical qualification awarded by any medical institution outside India and who wish to get provisional or permanent registration with Medical Council of India or any State Medical Council. The last session of FMGE was conducted on January 20, 2024.

CBSE brainstorming when and how to conduct board exams twice a year

The CBSE is in a dilemma over scheduling the two rounds of board examinations as recommended in the new National Curriculum Framework (NCF) – its options being January-February, March-April and June. Another option the Central Board of Secondary Education (CBSE) is exploring is a semester system involving biannual exams. Currently, the board exams for Classes 10 and 12 are conducted in February-March.

According to officials, consultations are on and no decision has been made yet about when and in which format the plan to conduct board exams twice a year will be implemented. "The three possible options that have been discussed is conducting the exams in a semester system, with the first board exam in January-February and the second one in March-April or conducting the second set of board exams in June with the supplementary or improvement exams," an official said. "The way our academic calendar is designed, plus the schedule of competitive exams and geographical challenges since CBSE schools are spread across the country and even abroad, the semester system seems less feasible," the official added.

The board has told the Union education ministry that more than 150 steps are required to conduct board exams of Classes 10 and 12 in the current system. "The process involves a minimum of 310 days, starting from filling of the list of candidates, centre notifications, release of roll numbers, conduct of practicals, theory exams, result declaration, verification and revaluation. At least 55 days are required to conduct the two exams," the board informed. The challenge before the CBSE now is when to replicate the massive exercise for a second round and how. "Conducting exams before February also has its own challenges because some states have difficult winters. Currently, the schedule of board exams begins around February 15, so dates have to be worked out accordingly to provide a considerable gap," the official said. "Another option can be to conduct the second set of exams in June alongside the supplementary or improvement exam. However, none of these options are final. We are still brainstorming and widespread consultations are on. It is possible that more options would emerge during the process," the official added. The ministry's initial plan was to introduce biannual board exams from the 2024-25 academic session. However, it has been pushed back by a year. Prepared by the Union government-appointed national steering committee, led by former ISRO chairman K Kasturirangan, in line with the National Education Policy (NEP) 2020, the new NCF proposed a semester system for students of Classes 11 and 12. The framework, which was released by the ministry in August last year, also proposed that students be given the option to write their board exams twice a year. Union Education Minister Dharmendra Pradhan told news agency in an interview last October that appearing for board exams twice a year won't be mandatory for students. "The students will have the option of appearing for the (class 10 and 12 board) exams twice a year just like the engineering entrance exam JEE. They can choose the best scoreâ æ but it will be completely optional, no compulsion," he had said then. However, this is not the first attempt at reforming board exams. The Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE) was introduced for Class 10 in 2009 but was revoked in 2017 and the board reverted to the old model of year-end exams. The board exams for Classes 10 and 12 were also split into two terms during the Covid pandemic as a one-time measure, but the old format of year-end exams resumed this year.

सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा से जुड़े नियमों में बदलाव की तैयारी

मप्र। प्रदेश के युवाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। मध्य प्रदेश में सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा से जुड़े नियमों में बदलाव लाने की तैयारी चल रही है। सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा से जुड़े नियम में अब बदलाव आने वाले हैं। अब तक मेरिट केवल मुख्य लिखित परीक्षा के आधार पर ही बनती थी। वहीं फिजिकल में बस क्वालीफाइंग होना जरूरी था मुख्य लिखित परीक्षा के साथ फिजिकल के नंबर भी जुड़ेंगे। इसी के आधार पर मेरिट लिस्ट बन कर तैयार होने वाली है। फिजिकल के नंबर भी मेरिट में जोड़ने के लिए तर्क ये है कि सब-इंस्पेक्टर फील्ड में रहते हैं, उन्हें अपराधी को पकड़ने के लिए दौड़ने- भागने जैसी गतिविधि करनी होती है इसलिए फिट रहना जरूरी है। हालांकि अभी इसके लिए पुलिस मुख्यालय ने गृह विभाग को प्रस्ताव भेजा है।

साल 2012 के पहले ये था नियम

बता दें कि 2012 के पहले फिजिकल के नंबर फाइनल लिस्ट में जोड़े जाते थे। उसके बाद नियम में बदलाव किया गया और फिजिकल में केवल क्वालिफाइंग को ही माना जाने लगा । लेकिन अब तर्क देते हुए इसमें फिर से बदलाव की तैयारी है। 800 मीटर दौड़ के साथ साथ अभ्यर्थी को लॉन्ग जंप, गोला फेंक भी क्वालफाइ करना पड़ता है।

आयु सीमा

एमपी पुलिस एसआई पद के लिए आयु सीमा 18 से 25 वर्ष तक है। मध्य प्रदेश सरकार के मानदंडों के अनुसार आरक्षित श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवारों को विशेष छूट दी जाती है। मध्य प्रदेश के मूल निवासी को आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

शैक्षणिक योग्यता

उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री या इसके समकक्ष डिग्री होना अनिवार्य है। तकनीकी पदों के लिए विशिष्ट विषयों में विशेषज्ञता या संबंधित क्षेत्रों में डिप्लोमा की आवश्यकता हो सकती है

- सूबेदार के लिए अभ्यर्थी के पास सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री या इसके समकक्ष डिग्री होनी चाहिए।

- एसआई (जिला बल) के लिए अभ्यर्थी के पास सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री या इसके समकक्ष डिग्री प्राप्त की होनी चाहिए।

- एसआई (विशेष शाखा) के लिए अभ्यर्थी के पास सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री या इसके समकक्ष डिग्री होनी चाहिए।

- एसआई (क्यूडी) के लिए अभ्यर्थी के पास सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ स्नातक की डिग्री या इसके समकक्ष डिग्री होनी चाहिए।

- एसआई (रेडियो) के लिए अभ्यर्थी के पास सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स/इलेक्ट्रिकल, दूरसंचार इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा होना चाहिए।

- एसआई (फिंगर प्रिंट) के लिए अभ्यर्थी के पास सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ स्नातक की डिग्री या इसके समकक्ष डिग्री होनी चाहिए।

- प्लाटून कमांडर के लिए अभ्यर्थी के पास सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री या इसके समकक्ष डिग्री होनी चाहिए।

- एसआई (आयुध) के लिए अभ्यर्थी के पास सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त तकनीकी विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा होना चाहिए।

आरजीपीवी ने एमबीए कॉलेज को एफिलिएशन देने से किया था इनकार, हाईकोर्ट ने दी राहत

इक्विटी का दावा नहीं करेगा कोई भी पक्ष : कोर्ट

इंदौर। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) ने अपने दायरे से बाहर वाले कॉलेजों को एमबीए पाठ्यक्रम की एफिलिएशन देने से पिछले दिनों इनकार कर दिया था। इसके बाद कॉलेज मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ की शरण में चले गए थे। वहां से कॉलेजों को अंतरिम राहत मिल गई है।न्यायालय ने उन एमबीए कॉलेजों को चल रही प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दे दी है। न्यायालय के आदेश के बाद कॉलेजों में प्रवेश को लेकर रास्ता खुल गई है। अगले कुछ दिनों के भीतर डायरेक्टोरेट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (डीटीई) की एमबीए पाठ्यक्रम के लिए होने वाली काउंसलिंग की पहली आवंटन सूची आएगी। डीएवीवी के 15 कॉलेजों ने ले रखा एक एफिलिएशन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले पंद्रह कॉलेजों ने पिछले तीन साल से आरजीपीवी से संबद्धता ले रखी है। 2020-21 से आरजीपीवी ने अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर वाले संस्थानों को संबद्धता देना शुरू किया। संबद्धता शुल्क कम होने के चलते प्रदेशभर के कॉलेज आरजीपीवी से जुड़ने लगे। इसके बाद बाकी विश्वविद्यालयों ने आपत्ति उठाई और कहा कि विश्वविद्यालय अपने दायरे में आने वाले कॉलेजों को संबद्धता देना चाहिए। वहीं डीएवीवी ने विश्वविद्यालय समन्वय समिति के समक्ष यह मुद्दा उठाया था कि आरजीपीवी क्षेत्राधिकार मानदंडों का उल्लंघन कर रहा है।

आरजीपीवी और उच्च शिक्षा विभाग से मांगा था जवाब

परिणामस्वरूप समिति ने कथित तौर पर आरजीपीवी को क्षेत्राधिकार मानदंडों का सम्मान करने का निर्देश दिया था। याचिका के बाद हाईकोर्ट ने आरजीपीवी और उच्च शिक्षा विभाग से जवाब मांगा था। याचिकाकर्ताओं के वकील वैभव जैन ने अदालत को सूचित किया कि आरजीपीवी ने बिना कोई कारण बताए और यहां तक कि सुनवाई का कोई उचित अवसर दिए बिना शैक्षणिक सत्र 2024-25 से एमबीए पाठ्यक्रम चलाने के लिए याचिकाकर्ता कॉलेजों को संबद्धता देने से इनकार कर दिया है।जवाब दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का समय आगामी सत्रों के लिए संबद्धता अस्वीकृत कर दी गई है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने कॉलेजों को शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए एमबीए पाठ्यक्रम के लिए चल रही काउंसलिंग में भाग लेने की अनुमति देना उचित समझा। कोर्ट ने यह साफ कर दिया है कि छात्रों की भागीदारी और उनके प्रवेश की अनुमति रिट याचिकाओं के अंतिम परिणाम के अधीन रहेगी और किसी भी पक्ष द्वारा किसी इक्विटी का दावा नहीं किया जाएगा। उत्तरदाताओं को अपना जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया जाता है।

आगामी सत्रों के लिए संबद्धता अस्वीकृत कर दी गई है दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने कॉलेजों को शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए एमबीए पाठ्यक्रम के लिए चल रही काउंसलिंग में भाग लेने की अनुमति देना उचित समझा न्यायालय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि छात्रों की भागीदारी और उनके प्रवेश की अनुमति रिट याचिकाओं के अंतिम परिणाम के अधीन रहेगी और किसी भी पक्ष द्वारा किसी इक्विटी का दावा नहीं किया जाएगा। उत्तरदाताओं को अपना जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया जाता है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, गुरुवार 18 जुलाई , 2024

कब जरूरी है करियर काउंसलिंग

कई बार बच्चे अपने करियर को लेकर काफी कन्फ्यूज होते हैं। करियर की सीढ़ी में आगे बढ़ने के लिए कई बार वे कुछ चाहते हैं, पेरेंट्स की अलग अपेक्षाएं होती है तो रिश्तेदारों और दोस्तों से मिली सलाह कुछ अलग ही होती है। ऐसी स्थिति में जब बहुत ज्यादा कंफ्यूजन हो तो करियर काउंसलिंग की ज्यादा जरूरत होती है। हम कई बार काउंसलिंग को इग्नोर कर देते हैं। हमें लगता है हम सब जानते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। करियर काउंसलिंग का सही समय वह हे जब बच्चे आगे की राह चुनने की दहलीज पर होते हैं। 10वीं के बाद उन्हें स्ट्रीम चूज करना होता है और ऐसे समय में सबसे ज्यादा गाइडेंस की जरूरत होती है। इसलिए पेरेंट्स को समझना चाहिए कि इस फेज में बच्चों को करियर से जुड़ा मार्गदर्शन उपलब्ध कराएं। इससे सही विषय चुन पाएंगे और करियर की पटरी सही बैठेगी। अगर सही विषय चयन नहीं किया गया तो पूरा करियर यू टर्न ले सकता है। इसलिए प्रोफेशनल काउंसलर की मदद लें जो मनोवैज्ञानिक तरीके से छात्र से संवाद करे और साइकोमेट्रिक टेस्ट के आधार पर छात्र की प्रतिभा को समझ सकें।

इसलिए है जरूरी

पेरेंट्स को यह समझना जरूरी है कि बच्चे का इंटरेस्ट किस विषय में है और वह किस तरह परफॉर्म कर रहा है। अपनी पसंद न थोपें। यह भी जानें कि किन विषयों में उसका मन नहीं लगता। इस तरह से पेरेंट्स करियर के चुनाव में मदद कर सकते हैं। बच्चे के रिजल्ट से यह फैसला करने की बजाए, उसकी पसंद को जानें। अगर गलत फैसला हुआ तो आगे चलकर वह परफॉर्म नहीं कर पाएगा और तनाव में घिरा रहेगा।

ऐसे न लें फैसले

यह कतई जरूरी नहीं है कि साइंस में 90 या 100 फीसदी अंक लाने वाला छात्र साइंस स्ट्रीम ही पसंद करे। हो सकता है उसकी रूचि गणित में न हो क्योंकि 10वीं के बाद पढ़ाई का लेवल अचानक हाई हो जाता है और अगर स्टूडेंट की रूचि उसमें न हो तो उसका प्रदर्शन प्रभावित होने लगता है। काउंसिलिंग में इन्हीं बातों को पैरेंट्स को समझाने की कोशिश की जाती है।

मार्केट ट्रेंड की जानकारी

काउंसिलिंग का एक सबसे बडा फायदा यह भी है कि काउंसिलर आपको वैसे सब्जेक्ट या उभरते क्षेत्रों के बारे में भी बताते हैं जिनसे आप अनजान होते हैं। आप ने उस फील्ड के बारे में कभी सोचा ही नहीं होता है। मार्केट ट्रेंड के बारे में बताते हैं और इन सबसे ऊपर आपको अच्छा इंस्टीट्यूट चुनने में मदद करते हैं। सब्जेक्ट पसंद का होने से आप अपनी पसंद की राह पर बढ़ तो सकते हैं, लेकिन इस गला काट प्रतियोगिता के जमाने में अच्छे इंस्टीट्यूट का चुनाव करके ही आप दूसरों पर बढते ले सकते हैं। आज मैनेजमेंट में कई नए सब्जेक्ट आ गए हैं। इसी तरह लॉ का क्षेत्र बढ़ गया है। फैशन टेक्नॉलजी का बुखार और खुमार तो है ही, खेल के क्षेत्र में हो रहे सुधार और कमाई के ऑप्शन पर भी उभरे हैं।

12वीं के बाद कर सकते हैं पॉलीमर साइंस में बीटेक

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को NTA द्वारा आयोजित UGC-NET और UGC-CSIR राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु। 50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

जॉब के लिए अप्लाई करने से पहले अपने पुराने सीवी को करें अपडेट

सीवी में दी गई जानकारी के आधार पर ही एंपलॉयर आपको जज कर पाता है। खुद को दूसरों से अलग बनाने के लिए आपको सिरी को सही फॉर्मेट में बनाना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही आपको अपने सीवी को अपडेटेड भी रखना चाहिए। जब भी आप किसी कंपनी में जॉब के लिए अप्लाई करते हैं तो आपसे सबसे पहले आपका सीवी या रेज्यूमे मांगा जाता है। इसमें आपकी पिछली कंपनी में आपकी पोजिशन, आपकी स्किल्स और अनुभव आदि की जानकारी होती है। इसी जानकारी के हिसाब से एंप्लॉयर आगे की प्रक्रिया शुरू करते हैं या रिजेक्ट करते हैं। सीवी में दी गई जानकारी के आधार पर ही एंपलॉयर आपको जज कर पाता है। खुद को दूसरों से अलग बनाने के लिए आपको सिरी को सही फॉर्मेट में बनाना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही आपको अपने सीवी को अपडेटेड भी रखना चाहिए।

आमतौर पर कोई भी उम्मीदवार अपनी बीवी को अपडेट तभी करता है जब वह किसी दूसरी नौकरी की तलाश में होता है। ऐसे में अगर एक नौकरी से दूसरी के बीच अवधि ज्यादा होती है तो सीवी में कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को अपडेट करना छूट जाता है। इसलिए आप अपनी कंपनी में जब भी किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को पूरा करें तो उसे उसी समय अपने सीवी में जरूर अपडेट कर लें। आप जिस भी प्रोजेक्ट के बारे में अपने सीवी में जिक्र कर रहे हैं, उसे पूरा करते वक्त आपको क्या कठिनाई आई इसका जिक्र जरूर करें। इससे एंप्लॉयर को यह विश्वास मिलेगा कि आप काम करते समय सिर्फ कंफर्ट जोन नहीं तलाशते हैं। इसके साथ ही, प्रोजेक्ट पर कितने लोगों ने क्या काम किया और आपकी क्या भूमिका रही इसकी जानकारी भी सीवी में जरूर दें।

अधिकतर लोगों को रेज्यूमे और सीवी के बीच अंतर नहीं मालूम होता है। आपको बता दें कि रेज्यूमे अधिकतम 2 पन्नों का होता है वहीं सिविल अधिकतम 5 पन्ने का होता है। इसलिए कंपनी आपसे जो मांगे, वही भेजें।

सीवी आमतौर पर ऑफिसर लेवल का होता है। इसमें सब कुछ डिटेल में लिखा होता है। वहीं, रेज्यूमे आमतौर पर शुरुआती नौकरियों के लिए होता है। इसमें स्किल्स, क्वालिफिकेशन आदि की जानकारी संक्षिप्त में लिखी होती है। अधिकांश इंटरव्यू के लिए एंप्लॉयर्स सीवी ही मांगते हैं।

सक्सेस के लिए बनाएं रखें मार्केटिंग एटीट्यूड

इसमें कोई शक नहीं कि सफल होने के लिए आपको कड़ी मेहनत करना चाहिए लेकिन अगर इसे बिना किसी उद्देश्य और सही एटीट्यूड के किया जाए तो यह मेहनत व्यर्थ ही जाएगी। मार्केटिंग में करियर बनाने के लिए आपको मेहनत के साथ सही एटीट्यूड रखना जरूरी है।

सकारात्मक सोच के साथ अगर आप आगे बढेंगे तो कंपनी की साख भी बना पाएंगे और अपना करियर उज्जवल करेंगे। दिन-रात अपने टारगेट पूरा करने में आप लगे रहते हैं लेकिन कुछ ऐसी ही स्किल्स की कमी के चलते यह पूरा करने से चूक जाते हैं। लेकिन अगर बार-बार आपके साथ ऐसा हो तो आप निराश हो सकते हैं। इसके कारण आप खुद में ही कमी ढूंढेंगे कि शायद आप इसके लायक नहीं। सबसे पहली बात तो आपको आपके क्षेत्र, उत्पाद, कंपनी और मार्केटिंग टूल्स की पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको जितना नॉलेज होगा, आपमें कॉन्फिडेंस उतना रहेगा।

पैशन

अगर आपको अपने काम को लेकर जुनून नहीं है तो शक है कि आप जो मुकाम चाहते हैं, वह हासिल हो। पैशन होने से आपके अंदर और भी कई स्किल्स स्वत- ही आ जाते हैं जिसके कारण आप सफलता की सीढ़ियां चढ़ते हैं। पैशन होने से आप राइट एटीट्यूड अपने आप ही आ जाएगा।

अप्रोच

मार्केटिंग ही नहीं, किसी भी क्षेत्र में आपकी अप्रोच बहुत मायने रखती है। इसलिए मार्केटिंग जॉब को लेकर आपकी अप्रोच पॉजिटिव, टू द पॉइंट और रिजल्ट ओरिएंटेड होना चाहिए।

एक्साइटमेंट

जो भी काम करें उसमें एक्साइटमेंट डाले। छोटे से छोटे से काम को लेकर आप अगर उत्साही रहेंगे तो उसका रिजल्ट सोच से कहीं बेहतर होगा। ऐसे आप लोगों में भी उत्साह का संचार कर पाएंगे। लोगों के बीच आपका उत्साह इम्प्रेसिव ही होगा।

कॉन्फिडेंस

आपको हर हाल में न केवल खुद पर, बल्कि अपने क्लाइंट पर भी पूरा भरोसा होना चाहिए। यह आत्मविश्वास ही है, जिसे सफलता की कुंजी कहा जाता है।

चेंज

मार्केटिंग एक ऐसा क्षेत्र है, जहां हमेशा चेंज की गुंजाइश बनी रहती है। क्योंकि यहां आपका पहला मकसद होता है क्लाइंट को संतुष्ट करना और ज्यादा-से-ज्यादा क्लाइंट्स जोडना़। इसलिए जब भी लगे कि अमुक तकनीक में बदलाव की जरूरत है, आपको तत्काल उस तकनीक को अपना लेना चाहिए।

ज्वैलरी डिजाइनिंग के करियर में इस तरह बढ़ें आगे

भारत गोल्ड का सबसे बडा उपभोक्ता है और यहां जेम्स एंड ज्वैलरी के लिए बेहतर सुविधाएं भी मौजूद है। एक तथ्य यह भी है कि जयपुर को विश्व के सबसे बडे जेम्स कटिंग सेंटर के रूप में जाना जाता है। हालांकि, जयपुर के साथ-साथ सूरत, मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद आदि शहरों में जेम्स एंड ज्वैलरी के विशाल एक्सपोर्ट हाउसेज मौजूद हैं। यही कारण है कि देश के कुल निर्यात में जेम्स एंड ज्वैलरी सेक्टर का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होने से आज भारतीय कारीगरों की बनाई ज्वैलरी को विदेशों में काफी पसंद किया जा रहा है।

समय ने बदली धारणा

वैश्वीकरण के इस दौर में युवतियों में जिस तरह फैशनेबल कपड़ों का क्रेज बढ़ रहा है। फैशन में हो रहे बदलावों ने ज्वैलरी का सारा आकर्षण तरह-तरह की डिजाइनों में केंद्रित कर दिया है। समय की बयार के साथ समाज की यह पारंपरिक तस्वीर तेजी से बदल रही है।

स्किल्स

जेमोलॉजी कोर्स के अंतर्गत जेम्स की पहचान, उसकी रंगत, धातु की पहचान, ड्राइंग टेक्निक्स, डिजाइन मेथोडोलॉजी, कम्प्यूटर ऐडेड डिजाइन आदि पहलुओं का अध्ययन किया जाता है। जेमोलॉजी में डिग्री (तीन-वर्षीय), डिप्लोमा (दो-वर्षीय) और सर्टिफिकेट कोर्सेज (एक साल) के साथ-साथ ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए कुछ स्पेशलाइज्ड कोर्सेज भी उपलब्ध हैं। इन स्पेशलाइज्ड कोर्सेज की अवधि छह माह से छह हफ्ते तक की हो सकती है।

योग्यता

यदि आप जेम्स एंड ज्वैलरी डिजाइन के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको कोई खास शैक्षिक योग्यता नहीं जुटानी पडेगी। यदि आप बारहवीं पास या ग्रेजुएट भी हैं, तो आपके लिए इस सेक्टर में बेहतर संभावनाएं मौजूद हैं। यदि आप बारहवीं पास हैं, तो डिग्री कोर्स में और यदि ग्रेजुएट हैं, तो डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करने के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं। आपकी अंग्रेजी और कम्युनिकेशन स्किल्स बहुत अच्छी होनी चाहिए। यदि यह गुण आपमें हैं तो इससे बेहतर दूसरा क्षेत्र संभवत- आपके लिए बना नहीं है।

करियर संभावनाएं

उदारीकरण के बाद भारत के इस उभरते सेक्टर को एक नया आयाम मिला है। दरअसल, जमोलॉजी के क्षेत्र में दबदबा रखने वाली दुनिया की बडी-बडी कंपनियां भारत में तेजी से अपनी शाखाएं खोल रही हैं। कहते हैं, जिस सेक्टर में जितनी तेजी से विकास होता है, उसे और विकसित करने के लिए ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जरूरत अनिवार्य रूप से होती है। इस लिहाज से देखें, तो जेम्स एंड ज्वैलरी सेक्टर भी अछूता नहीं रहा है, जहां आज भारी संख्या में ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जरूरत महसूस की जा रही है। जहां तक इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं की बात है, जेमोलॉजी का कोर्स कर लेने के बाद आपको प्राइवेट एक्सपोर्ट हाउसेज, ज्वैलरी डिजाइनिंग एंड कटिंग फर्म्स और इससे जुडी कंपनियों में काफी आकर्षक जॉब मिल सकते हैं। इसके अलावा, यदि आप अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो संबंधित क्षेत्र में अनुभव और कौशल प्राप्त करने के बाद अपनी खुद की रिटेल, होलसेल या ज्वैलरी-शॉप्स खोल कर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

जॉब ऑप्शंस

- ज्वैलरी-डिजाइनर
- रिसर्चर
- प्रोडक्ट डेवलपमेंट ऑफिसर
- मर्केडाइजर
- सेल्स एंड मार्केटिंग प्रोफेशनल
- कंसल्टेंट
- कैड-डिजाइनर

श्रीलंका दौरे के लिए जल्द होगी भारतीय टीम की घोषणा, सूर्या हो सकते हैं टी20 कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम गंभीर का कार्यकाल टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे के साथ शुरू हो जाएगा। कोच की कमान संभालते ही गंभीर एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, श्रीलंका दौरे के लिए टीम की घोषणा बुधवार को हो सकती है। सपोर्टिंग स्टाफ सहित टीम के कप्तान को लेकर गंभीर ने बीसीसीआई को कई सुझाव दिए हैं। टी20 विश्व कप 2024 चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया में बदलाव का दौर शुरू हो चुका है। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को 5 मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराया। अब टीम का अगला मिशन श्रीलंका दौरा है, जहां तीन टी20 और इतने ही वनडे मैचों की सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज के साथ बतौर मुख्य कोच गौतम गंभीर का कार्यकाल टीम इंडिया के साथ शुरू होगा। जानकारी के अनुसार, इस दौरे के लिए टी20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव को सौंपी जा सकती है।

टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने इस प्रारूप से संन्यास का ऐलान कर दिया था। जिसके बाद भारतीय टीम को नए कप्तान की तलाश है। हालांकि नए कप्तान की दावेदारी की रेस में हार्दिक ही सबसे आगे चल रहे हैं। सूर्यकुमार को नई जिम्मेदारी दिए जाने के पीछे हार्दिक की इंजरी की समस्या बड़ी वजह मानी जा रही है। हालांकि, सूर्यकुमार पहले भी भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टी20 सीरीज में भी सूर्यकुमार के हाथ में ही भारतीय टीम का नेतृत्व था। वहीं घरेलू सर्किट में भी सूर्यकुमार मुंबई की कप्तानी कर चुके हैं। बुधवार को चयन समिति आगामी श्रीलंका दौरे के लिए टीम का ऐलान कर सकती है।

26 जुलाई से शुरू होने वाले इस दौरे की शुरुआत तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के साथ ही होनी है। तीन टी20 मैच पल्लेकेले और जबकि तीन वनडे मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। यह दौरा गौतम गंभीर के लिए भी बतौर भारतीय कोच पहला दौरा होगा। गंभीर को राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद हाल ही में टीम इंडिया का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।

रोहित शर्मा श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में करेंगे वापसी...

गंभीर के इस खास खिलाड़ी का भी कमबैक तय?

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के श्रीलंकाई दौरे को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है. रोहित शर्मा वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आ सकते हैं. वहीं इस सीरीज में केकेआर को अपनी कप्तानी में आईपीएल खिताब जिताने वाले श्रेयस अय्यर की भी टीम में वापसी हो सकती है. श्रेयस अय्यर के साथ गंभीर का केकेआर कनेक्शन भी है. वहीं विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह की श्रीलंका के खिलाड़ी खेलने की संभावना नहीं है. दूसरी ओर रोहित शर्मा इस सीरीज में नहीं खेलते हैं, तो केएल राहुल कप्तानी के लिए संभावित उम्मीदवार हो सकते हैं.

एक रिपोर्ट में श्रीलंकाई दौरे के लिए वनडे को लेकर इस बात की संभावना व्यक्त की गई है. रिपोर्ट में बताया गया है कि गौतम गंभीर ने नेशनल सेलेक्शन कमेटी के साथ बैठक की. इस बैठक को प्रोडक्टिव मीटिंग कहा गया है. यह मीटिंग एक घंटे से अधिक समय तक चली. मंगलवार दोपहर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित इस बैठक में चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और सेलेक्शन कमेटी के सदस्य, खुद गौतम गंभीर और सचिव जय

शाह शामिल थे. जय शाह ने ही यह बैठक बुलाई थी. बैठक ऑनलाइन हुई, इसमें गंभीर ने नई दिल्ली में अपने घर से इसमें हिस्सा लिया. रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मीटिंग परिचय के लिए थी.

लेकिन सेलेक्शन कमेटी के मेंबर्स और नए कोच ने भारतीय क्रिकेट के भविष्य और श्रीलंका में आगामी व्हाइट बॉल सीरीज के लिए टीम के कम्पोजिशन को लेकर बात की. एक कोच के रूप में गंभीर ने सेलेक्शन कमेटी को अपने इनपुट दिए कि उन्हें किस तरह के खिलाड़ी चाहिए.

गंभीर ने हाल में कहा था कि उन्हें ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो तीनों फॉर्मेट के लिए उपलब्ध रहें, लेकिन उन्होंने बैठक के दौरान इस बात पर जोर नहीं दिया. वहीं इस मीटिंग से ऐसे कुछ संकेत हैं कि रोहित शर्मा अगस्त में होने वाले तीन वनडे मैचों के लिए खुद को उपलब्ध करा सकते हैं. यह देखते हुए कि अगले फरवरी-मार्च में चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले बहुत अधिक वनडे मैच नहीं हैं, रोहित इन मैचों में खेलने का फैसला कर सकते हैं. वर्तमान में रोहित अमेरिका में छुट्टियां मना रहे हैं.

अगर रोहित खेलने का फैसला करते हैं तो निस्संदेह वह टीम की कप्तानी करेंगे. हालांकि, जसप्रीत बुमराह और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी, जिन्हें श्रीलंका सीरीज के लिए आराम दिया गया है, उनके खेलने संभावना नहीं है. वहीं पिछले साल वर्ल्ड कप में मध्य क्रम में प्रभावी रहे श्रेयस अय्यर के केएल राहुल के साथ वापसी की उम्मीद है. अगर रोहित वनडे नहीं खेलते हैं, तो राहुल वनडे कप्तानी के संभावित उम्मीदवार हैं. वहीं हार्दिक पंड्या श्रीलंका में होने वाले वनडे मैचों के चरण से बाहर हो सकते हैं.

क्या पंड्या टी20 में कप्तानी के लिए सही विकल्प

इस बीच, इस बात पर विचार-विमर्श चल रहा है कि क्या श्रीलंका में तीन टी20 मैचों के लिए पंड्या कप्तानी के लिए सही विकल्प हैं. टी20 वर्ल्ड कप में उपकप्तान के रूप में काम करने वाले पंड्या अमेरिका और वेस्टइंडीज में स्टार प्रदर्शन करने वालों में से एक थे. हालांकि, ऑलराउंडर के साथ फिटनेस हिस्ट्री देखते हुए सूर्यकुमार यादव को कप्तानी के लिए चुना जा सकता है. हालांकि मीटिंग में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है. भारतीय टीम 27 जुलाई से 7 अगस्त तक श्रीलंका में तीन टी20 इंटरनेशनल और इतने ही वनडे मैच खेलेगी.

भारत-श्रीलंका का शेड्यूल

27 जुलाई- पहला टी20, पल्लेकेल
28 जुलाई- दूसरा टी20, पल्लेकेल
30 जुलाई- तीसरा टी20, पल्लेकेल
2 अगस्त- पहला वनडे, कोलंबो
4 अगस्त- दूसरा वनडे, कोलंबो
7 अगस्त- तीसरा वनडे, कोलंबो

इंदौर जिला जूनियर बैडमिंटन टीम घोषित : किट वितरित

इंदौर। 57वीं मप्र राज्य जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा के लिए इंदौर जिला जूनियर बैडमिंटन टीम की घोषणा इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन ने की। इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन ने गत दिवस नेहरू स्टेडियम बैडमिंटन हाल में इंदौर जिला जूनियर टीम के खिलाड़ियों को किट (टी शर्ट) प्रदान की गई। इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन अध्यक्ष अनिल भंडारी की अध्यक्षता में पूर्व राज्य मास्टर्स बैडमिंटन विजेता खिलाड़ी दीपक रामरख्यानी ने टी शर्ट प्रदान की। दीपक रामरख्यानी ने इंदौर में 18 जुलाई से हो रही राज्य जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा में इंदौर जिला टीम के खिलाड़ियों को राज्य विजेता और उपविजेता बनने पर नकद सम्मान राशि देने की घोषणा की। इस अवसर पर इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन सचिव आर पी सिंह नैयर, सह सचिव धर्मेश यशलहा, कोषाध्यक्ष विशाल चांदवानी, सुधांशु व्यास, मनीष त्रिवेदी, रजनीश जैन भी मौजूद थे। इंदौर जिला जूनियर (17 और 19 वर्ष आयु) इंदौर टीम चयन, चयन समिति के आर पी सिंह नैयर, धर्मेश यशलहा और सुधांशु व्यास ने किया।

इंदौर जिला टीम हैं- 17 वर्ष बालिका ः आस्था शर्मा, आरोही शुक्ला, विभी मित्तल, अरन्या तनेजा, तमन्ना सिंधा, सकीना रंगवाला, जीवल बत्रा, कनिका जाट और श्रेयसी मालवीय

17 वर्ष बालक ः नैवेद्य तोंडे, भव्य पुरोहित, आराध्य भंडारी, ओम पटेल, जय सोनी, युवराज तिवारी, काव्य शर्मा, आरवराज सिंह बग्गा, प्रग्यान सलुजा और नील जैन

19 वर्ष बालिका ः आस्था शर्मा, आध्या जैन, आरोही शुक्ला, रोहिणी पाठक, जीवल बत्रा, कनक रायकर, सुहानी पाठक, कनिका जाट, ओजस्वी भोमिया,आयुषी दुबे और कृति तिवारी

19 वर्ष बालक ः ओम पटेल, काव्य शर्मा, नैवेद्य तोंडे, भव्य पुरोहित, प्रफुल्ल पाठक, प्रग्यान सलूजा, युवराज तिवारी, सुर्य प्रताप सिंह, प्रणव चौधरी, सार्थक कश्यप, अथर्व तारे और कृत्य चौधरी।

चोट के कारण मेसी अनिश्चित काल के लिए मैदान से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी कोपा अमेरिका के फाइनल में चोटिल होकर बाहर चले गए थे। लेकिन अर्जेंटीना ने उनके बिना भी एक रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की।

खास बात ये है कि मेसी सही से चल भी नहीं पा रहे थे लेकिन इसके बावजूद वो बेंच से उठकर गए और टीम के साथ जीत का जश्न मनाया। हालांकि, मेसी की चोट को लेकर उनके फैंस काफी परेशान हैं।

उनके दाहिने टखने में बहुत अधिक सूजन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय है। इस बीच मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी ने पुष्टि की है कि उनके कप्तान को दाहिने टखने के लिगामेंट में चोट लगी है। उनकी

वापसी की कोई तय तारीख नहीं होगी। लेकिन आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर चीजें साफ होंगी। इंटर मियामी के बयान में कहा गया, मेडिकल जांच के बाद, यह निर्धारित किया गया है कि लियोनेल मेसी को दाहिने टखने के लिगामेंट में चोट लगी है।

कप्तान की उपलब्धता समय-समय पर किए जाने वाले आकलन और उनकी रिकवरी की प्रगति के आधार पर निर्धारित की जाएगी। मियामी के कोच मार्टिनो ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, मेसी की काफी चोट लगी है, उनका टखना मुड़ गया था। इसलिए जांच की आवश्यकता है और रिपोर्ट की प्रतीक्षा करनी होगी। स्थिति की गंभीरता का पता लगाने के लिए परीक्षण किए जाएंगे।

शौर्य बावा मिस्र के मोहम्मद जकारिया से हारे

● विश्व जूनियर स्क्वाश में कांस्य पदक से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के शौर्य बावा ने ह्यूस्टन में चल रही विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप के लड़कों के एकल सेमीफाइनल में मिस्र के शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद जकारिया से 0-3 से हारने के बाद कांस्य पदक हासिल किया। बावा पिछले साल के उपविजेता जकारिया से 41 मिनट तक चले रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में 5-11 5-11 9-11 से हार गए। कुश कुमार (2014 में) के बाद बावा विश्व जूनियर सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं। लड़कियों के वर्ग में अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थी। भारत की 16 वर्ष की राष्ट्रीय चैम्पियन को मिस्र की नादियां इल्हामामी ने 11-8, 11-9, 5-11, 10-12, 13-11 से हराया था।

पेरिस ओलंपिकः

टोक्यो में मिली निराशा, मानसिक द्वंद से पार पाकर किया प्रवेश, ऐसा रहा अंजुम मोदगिल का सफर

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक में भारतीय निशानेबाजों का सफर अच्छा नहीं रहा था और उसे अंजुम मोदगिल भी शामिल थीं। अंजुम पिछले साल एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं बना सकी थीं। इससे वह काफी निराश हो गई थीं, लेकिन उन्होंने मानसिक द्वंद से पार पाकर पेरिस खेलों में प्रवेश किया। मोदगिल ने स्वीकार किया कि विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में नहीं चुने जाने के बाद उनकी आंखें खुल गई। इसके बाद उन्होंने

अपनी मानसिक दृढ़ता और अभ्यास पर ध्यान दिया। मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के महत्व को समझते हुए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने एक हेल्पलाइन शुरू की है जो ओलंपिक के दौरान सभी खिलाड़ियों को मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परामर्श देगी।

हिंदी सिनेमा में धूम मचाने के लिए मलयालम सिनेमा के वंडर बॉय चिदंबरम आए मुंबई

मुंबई। मलयालम सिनेमा में अपने बेहतरीन डायरेक्शन के लिए मशहूर चिदंबरम अब हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। वे फैंटम स्टूडियो के साथ मिलकर एक रोमांचक नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। ऐसे में फैंटम स्टूडियोज की सीईओ सृष्टि बहल ने ऑफिशियल तौर से इस पार्टनरशिप की घोषणा की है जो डायरेक्टर और प्रोडक्शन कंपनी दोनों के लिए नए क्रिएटिव क्षेत्रों में एक बड़ा कदम है। फैंटम स्टूडियोज की सीईओ सृष्टि बहल ने इस सहयोग के बारे में अपने उत्साह को जाहिर करते हुए कहा है, ÷हम फैंटम परिवार में चिदंबरम का स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं। फैंटम में, हमने हमेशा क्रिएटिविटी पर फोकस किया है, और डायरेक्टर को अपना बेस्ट काम करने के लिए सशक्त बनाया है। इस नए दौर में जहां फिल्म मेकर्स भाषा की सीमा में बंधे नहीं हैं, हमारा लक्ष्य हिंदी सिनेमा में अलग-अलग क्षेत्रों की अनोखी आवाज़ों को पेश करना है। हमारा लक्ष्य ऐसी कहानियां बनाना है, जो भाषाई बाधाओं से परे हों। चिदंबरम हमारे साथ काम करने के लिए एकदम परफेक्ट इंसान हैं। उनका अनोखा विजन और कहानी कहने का कौशल फैंटम स्टूडियो में हमारे क्रिएटिव वैल्यूज से पूरी तरह मेल खाता है। हम उनके विजन को हिंदी फिल्म दर्शकों तक पहुंचाने के लिए उत्साहित हैं।÷ चिदंबरम को %मंजुम्मेल बॉयज% में उनके काम के लिए तारीफें मिलीं हैं, जो कि एक क्रिटिकल और कमर्शियल सक्सेस रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने 3.3 करोड़ रुपए संग बॉक्स ऑफिस पर अपनी अच्छी ओपनिंग की, लेकिन बितते दिन के साथ जबरदस्त परफॉर्मेंस करते हुए, इस फिल्म ने 242.3 करोड़ रुपए की लाइफटाइम कमाई कर कई बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़े। 20 करोड़ रुपए के बजट में बनी %मंजुम्मेल बॉयज़% बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई करने वाली पहली मलयालम फ़िल्म बन गई है, जिसने 2023 में रिलीज़ होने पर 2018 में बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसके साथ ही यह 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में से एक बन गई है। चिदंबरम को यह समझने का हुनर है कि दर्शक क्या चाहते हैं और इस तरह से वह ऐसी कहानियाँ बनाते हैं जो दिलचस्प होने के साथ साथ एंटरटेनिंग भी होती हैं। वे अपनी शानदार और ग्रैंड फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, जिनमें बड़ा सेट, इंप्रेस करने वाली सिनेमैटोग्राफी और थ्रिल करने वाले पलों से भरपूर कोरियोग्राफ़्ड एक्शन सीक्वेंस शामिल हैं। उनकी फिल्में दर्शकों को एंटरटेन करने की गारंटी देती हैं। हिंदी सिनेमा में अपने डेब्यू के बारे में बात करते हुए चिदंबरम ने अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा है, ÷मैं हिंदी मेनस्ट्रीम सिनेमा में कदम रखने के लिए वाकई उत्साहित हूं। लेकिन %मंजुम्मेल बॉयज़% हमेशा एक खास जगह रखेगा, मैं अपनी पहली हिंदी फीचर फिल्म के लिए फैंटम स्टूडियो के साथ साझेदारी करके सम्मानित और बहुत खुशी महसूस कर रहा हूं। यह नई कहानियों को तलाशने और ज्यादा से ज्यादा दर्शकों से जुड़ने का मौका है, साथ ही कहानी कहने के उस तरीके पर खरा उतरना है जो मेरे काम को परिभाषित करता है।÷

जैसे-जैसे प्रोजेक्ट आगे बढ़ रहा है, हर कोई चिदंबरम और फैंटम स्टूडियोज द्वारा साथ में बनाए जाने वाले मास्टरपीस के बारे में जानने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा है, जिससे हिंदी सिनेमा पर कभी ना मिटने वाली छाप छोड़ने की उम्मीद है।

तूफान के लिए फरहान अख्तर ने की बॉक्सर बनने की कड़ी मेहनत!

फरहान अख्तर, जो अपनी कई टेलेंट के लिए जाने जाते हैं और हमेशा अपनी फिल्मों में अपनी परफॉर्मेंस को बेहतर करने की कोशिश करते हैं। 2021 में अपनी स्ट्रीमिंग रिलीज़ तूफ़ान में उन्होंने एक बॉक्सर की भूमिका निभाई थी, जिसके लिए बहुत ज्यादा मेंटल और फिजिकल कमिटमेंट की बहुत ज़रूरत थी। राकेश ओमप्रकाश मेहरा द्वारा डायरेक्ट की गई इस फिल्म के लिए फरहान के पूरे समर्पण की जरूरत थी और उन्होंने इस चुनौती को पूरा किया। ऐसे में अब जब फिल्म अपनी तीसरी एनिवर्सरी मना रही है, चलिए हम फरहान द्वारा निभाए गए किरदार में गहराई से उतरते हैं। फरहान अख्तर ने तूफ़ान में बॉक्सर अज़ीज़ अली का किरदार निभाया था, जो बहुत ही इंस्पायर करने वाला किरदार था। अपनी भूमिका की तैयारी के लिए फरहान ने हर दिन 2 घंटे बॉक्सिंग की ट्रेनिंग की थी।

रोमांचक फिल्म का संकेत देता है जाह्नवी कपूर की फिल्म उलझ का ट्रेलर

जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'उलझ' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म के निर्माताओं ने आज इस फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। 2 मिनट 23 सैकंड लम्बा यह ट्रेलर फिल्म की पूरी कहानी बयां करने में सफल हो जाता है। इसमें जान्हवी देश की सबसे युवा हाई डिप्टी कमिश्नर के किरदार में हैं, जिन पर नेपोटिज्म (भाई-भतीजावाद), देशद्रोही व गद्दारी के आरोप हैं। उनके आईएफएस ऑफिसर के तौर पर काम करने को लेकर कुछ साथी ऑफिसर्स को खासी आपत्ति है। जान्हवी की जिंदगी में कई तूफान आते हैं। उनकी जान भी खतरे में पड़ जाती है। उन्हें वजूद के लिए लड़ना पड़ता है। हालांकि जान्हवी को बलि की बकरी की तरह फंसाया गया है। जान्हवी विक्टिम न बनकर खुद के लिए जंग लड़ती दिखाई देती हैं। जान्हवी इंडियन फॉरेन सर्विस में मौजूद राजनीति को दर्शकों के सामने पेश करेंगी कि किस तरह से कुछ लोग झुंड बनाकर एक सच्चे देशभक्त को अपने मकसद के लिए यूज करते हैं।

राजनीति में शामिल होने पर पंकज त्रिपाठी ने कहा

मेरी एक्टिंग की दुकान अच्छी चल रही है

फेमस कालीन भैया का किरदार निभाने वाले बेहतरीन सितारों में से एक पंकज त्रिपाठी ने राजनीति में आने के बारे में कहा कि उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि उनकी एक्टिंग की दुकान अच्छी चल रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या अभिनेता की राजनीति में शामिल होने में कोई दिलचस्पी है, पंकज ने बताया, नहीं, अभी तो फिलहाल एक्टिंग की दुकान अच्छी चल रही है। पंकज इस समय मिर्जापुर 3 में दिखाई दे रहे हैं। यह पार्ट इस बार गुड्डू और गोलू पर केंद्रित है, क्योंकि इसमें कालीन भैया के नेतृत्व में त्रिपाठियों का शासन पूर्वांचल में समाप्त होता दिख रहा है। हालांकि सिंहासन को पाने के लिए काफी लड़ाई और खून-खराबा होता है। पंकज ने इंटेंस सीन्स के बारे में कहा, मैंने सीजन नहीं देखा है।

मैंने सिर्फ अपने सीन्स देखे हैं। कालीन भैया ने इस बार कोई हिंसा नहीं की है। तीसरे सीजन में पंकज त्रिपाठी की मनोरंजक उपस्थिति स्पष्ट रूप से गायब थी। सैंतालीस वर्षीय स्टार ने कहा, मेरे कई दोस्तों ने कहा कि वे मुझे और देखना चाहते थे, और अंत में जब उन्होंने मुझे देखा तो वे संतुष्ट थे कि कालीन भैया वापस आ गए हैं। जब एक मजबूत किरदार कमजोर हो जाता है जैसा कि सीजन में दिखाया गया था, यही वह मोड़ है जहां जीवन में आप हमेशा ऊपर नहीं होते बल्कि नीचे भी देखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

महामृत्युंजय मंत्र का जाप और हवन, डोनाल्ड ट्रंप के लिए हिंदू सेना ने की पूजा; लंबी उम्र की कामना

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति सम्मान और सपोर्ट दिखाने के लिए हिंदू सेना ने दिल्ली में हवन का आयोजन किया। इस हवन के जरिए हिंदू सेना ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जल्द स्वस्थ होने और उनकी लंबी उम्र की कामना की है। यह पूजा-पाठ दिल्ली के दिलशाद गार्डन इलाके में स्थित मा बगलामुखी शांति पीठ में हुआ। बता दें कि हाल ही में पेंसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान ट्रंप की हत्या की कोशिश की गई थी और उनपर गोली चलाई गई थी। अब दिल्ली में डोनाल्ड ट्रंप के लिए हिंदू सेना ने महामृत्युंजय जाप हवन यज्ञ किया। इस यज्ञ में 1.25 लाख पर पवित्र महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया गया। इस मंत्र के जरिए डोनाल्ड ट्रंप के जीवन में आने वाली बाधा को खत्म करने और उनके लंबी उम्र की कामना की गई। बता दें कि रैली के दौरान हुए हमले में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बाल-बाल बच गए थे। भाषण के दौरान जब ट्रंप को गोली लगी थी तब यह गोली उनके कान के नजदीक से होकर गई थी। हिंदू सेना के प्रवक्ता ने डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई है। शनिवार को रिपब्लिकन पार्टी की रैली में सिक्रेट सर्विस एजेंट्स की मौजूदगी में ट्रंप पर गोली चली थी। गोली चलाने वाले की पहचान थॉमस क्रूक्स के तौर पर हुई थी। उनके कान के पास गोली लगी और वो लहुलूहान हुए थे। हाल ही में ट्रंप की तस्वीरें सामने आई हैं जिसमें उनके कान पर बैंडेज लगा नजर आया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और 78 साल के डोनाल्ड ट्रंप, अपने ऊपर हुए जानलेवा हमले के दो दिन बाद रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन (आरएनसी) के पहले दिन सोमवार को अपने दाहिने कान पर पट्टी बांधकर पहुंचे। ट्रंप ने सम्मेलन को संबोधित नहीं किया लेकिन जब वह मंच से पीछे से सम्मेलन में प्रवेश करते समय स्क्रीन पर नजर आए तो वहां मौजूद लोगों ने तालियों एवं नारेबाजी के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। ट्रंप अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन के खिलाफ ताल ठोस सकते हैं।

अब तो हम बस लवजी-लवजी, पबजी वाले सवाल पर सीमा हैदर का मजेदार जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। पबजी गेम खेलते हुए एक दूसरे के प्यार में हर सीमा पार कर देने वाले सीमा हैदर और सचिन मीणा का कहना है कि अब वे यह गेम नहीं खेलते हैं। इंस्टाग्राम पर अपने फॉलोअर्स से लाइव बातचीत में सीमा हैदर और सचिन मीणा ने पबजी को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में मजेदार अंदाज में जवाब दिया और कहा कि अब वे बस लवजी खेलते हैं। पाकिस्तान से अपने चार बच्चों के साथ भागकर आई सीमा हैदर ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा गांव में सचिन मीणा के साथ रह रही है। एक साल से अधिक समय से भारत में रह रही सीमा हैदर सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय रहती है। इंस्टाग्राम पर अक्सर उसके डांस वीडियो वायरल होते हैं। मंगलवार को सीमा और सचिन ने लाइव सेशन के दौरान अपनी ओरिजनल आईडी फॉलोअर्स को देते हुए कहा कि उनके नाम पर बहुत से फेक आईडी चल रहे हैं। सीमा और सचिन ने अपने फॉलोअर्स के कई सवालों के जवाब दिए। एक यूजर ने सीमा से पूछा कि सचिन अब पबजी खेलने देता है या नहीं सचिन ने इसके जवाब में झट से कहा, अब तो खैर हममें से कोई पबजी नहीं खेलता है। अब तो केवल लवजी-लवजी चलता है भाई। सीमा ने भी मुस्कुराते हुए कहा, ओनली लवजी नथिंग पबजी। सचिन ने आगे कहा कि अब केवल लवजी और सब्जी चल रही है। बच्चों को लेकर पूछे गए सवाल पर सचिन ने कहा कि सभी बच्चे ट्यूशन पढ़ने गए हैं। गौरतलब है कि सचिन और सीमा की मुलाकात पबजी गेम खेलते हुए हुई थी। इसके बाद चार बच्चों को लेकर सीमा अवैध तरीके से भारत में घुस आई।

लोकसभा चुनाव में क्यों खराब हुआ प्रदर्शन?

महामंथन के लिए बीजेपी ने बुलाई बैठक, मोदी-नड्डा, राजनाथ और शाह समेत कई नेता होंगे शामिल

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में बीजेपी का प्रदर्शन बेहतर नहीं था। इस बार पार्टी बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई। चुनाव में खराब प्रदर्शन के लिए बीजेपी अब महामंथन करने जा रही है। बीजेपी ने इसी महीने के अंत में अपने नेताओं की बड़ी बैठक बुलाई है।

समाचार एजेंसी ANI ने सूत्रों के हवाले से बताया कि इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल होंगे। इसके अलावा बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी बैठक में हिस्सा लेंगे। बैठक में लोकसभा चुनाव के नतीजों पर चर्चा की जाएगी।

तीसरी बार पीएम मोदी ने बनाई सरकार

पिछले महीने 4 जून को हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 240 सीटें और कांग्रेस ने 99 सीटें जीती थी। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (हृष्ठ) को लोकसभा में बहुमत प्राप्त हुआ जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार तीसरी बार अपनी सरकार बनाई। हालांकि, बीजेपी को इस चुनाव में तीन हिन्दी भाषी राज्यों में करारी हार का सामना करना पड़ा है।

मोदी सरकार के 100 दिन को लेकर मंत्रालयों को खास निर्देश, इससे आम जनता का होगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों के शीर्ष नौकरशाहों को खास निर्देश दिए गए हैं। ऐसा कहा गया है कि वे एक-एक ऐसी प्रभावशाली परियोजनाओं की पहचान करें, जिन्हें नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन में लागू किया जाएगा। कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने सभी सचिवों को भेजे पत्र में यह जानकारी दी। यह भी कहा कि मंत्रालयों और विभागों को अपनी नीतियों व योजनाओं को तैयार करने और लागू करने में संपूर्ण सरकार के नजरिए को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारत को कम से कम समय में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।
कैबिनेट सचिव ने कहा कि पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सभी मंत्रालयों और विभागों को नई सरकार के पहले 100 दिनों के दौरान शुरू की जाने वाली एक प्रभावशाली परियोजना की पहचान करनी चाहिए। पत्र में कहा गया, 'मंत्रालय/विभाग जरूरी मंजूरी पाने के बाद उनके द्वारा तैयार 100 दिन के एजेंडा में कार्य बिंदुओं को लागू करने के लिए कदम उठाएंगे।' सचिवों से कहा गया कि प्रत्येक मंत्रालय और विभाग 15 अगस्त, 2022 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान घोषित पंच प्रण के तहत लागू करने के लिए पहल और योजनाएं तैयार करेंगे। दूसरी ओर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन में फसलों की 100 नई प्रजातियों और कृषि, बागवानी, मृदा संरक्षण, डेयरी व मत्स्य पालन जैसी नई प्रौद्योगिकी प्रस्तुत करने की तैयारी की है। यह जानकारी कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव और आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने दी। उन्होंने संकेत दिया कि इन प्रौद्योगिकियों और तकनीकों का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किया जा सकता है। वह आईसीएआर के 96वें स्थापना व प्रौद्योगिक दिवस के उपक्ष्य में आयोजित दो दिन के कार्यक्रमों के पहले दिन पूसा परिसर में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे।

केंद्र सरकार ने नीति आयोग का किया पुनर्गठन, सहयोगी दलों को भी दी जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मंगलवार को नीति आयोग का पुनर्गठन किया, जिसमें विशेष आमंत्रित सदस्यों की संख्या पांच से बढ़ाकर 11 कर दी गई। इस लिस्ट में भाजपा के सहयोगी दलों के पांच मंत्रियों को भी शामिल किया गया है। जेडीएस से एच डी कुमारस्वामी, हम से जीतन राम मांझी, जेडीयू से राजीव रंजन सिंह, टेडीपी से के आर नायडू और लोजपा से चिराग पासवान को जगह मिली है। अधिसूचना के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष बने रहेंगे और अर्थशास्त्री सुमन के बेरी इसके उपाध्यक्ष बने रहेंगे। वैज्ञानिक वी के सारस्वत, कृषि अर्थशास्त्री रमेश चंद, बाल रोग विशेषज्ञ वी के पॉल और मैक्रो-अर्थशास्त्री अरविंद विरमानी भी सरकारी थिंक-टैंक के पूर्णकालिक सदस्य बने रहेंगे। इसके अलावा, बीवीआर सुब्रह्मण्यम भी सीईओ बने रहेंगे। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को इसका पदेन सदस्य बनाया गया है। नीति आयोग के पदेन सदस्यों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन का नाम शामिल है। इनके अलावा, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी, एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी, पंचायती राज मंत्री लल्लन सिंह, सामाजिक न्याय मंत्री वीरेंद्र कुमार, नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू, आदिवासी मामलों के मंत्री जुएल ओराम, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अन्नपूर्णा देवी, खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राव इंद्रजीत सिंह को विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया गया है।

केजरीवाल के पुराने साथी भी आप को देंगे टेंशन, कर दिया यह बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ने ही पहले ऐलान कर दिया है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में उनके बीच गठबंधन नहीं रहेगा। कांग्रेस यह भी कह चुकी है कि वो दिल्ली की सभी 70 सीटों पर चुनाव की तैयारी कर रही है। बीजेपी भी इस चुनाव में पूरे दमखम से उतरने का दावा कर रही है। इस बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पुराने साथी के ऐलान से क्का टेंशन बढ़ सकता है। दरअसल आम आदमी पार्टी (आप) की अनिवासी भारतीयों के प्रकोष्ठ के पूर्व सह-संयोजक ने ऐलान किया है कि उनकी पार्टी दिल्ली में चुनाव लड़ेगी।

भारतीय लिबरल पार्टी (बीएलपी) ने मंगलवार को घोषणा की कि वह दिल्ली विधानसभा के लिए 2025 में होने चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी ने सत्ता में आने पर 11 सूत्रीय एजेंडा लागू करने का वादा किया जिनमें भ्रष्टाचार रोधी आयोग की स्थापना भी शामिल है। बीएलपी की स्थापना 2019 में हुई थी। पार्टी ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों की बेहतरी के लिए काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

बीएलपी अध्यक्ष मुनीश कुमार रायजादा ने मुफ्त बिजली और पानी की आपूर्ति के साथ-साथ महिलाओं को मुफ्त डीटीसी पास और महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये का मानदेय देने सहित अपनी योजनाओं को रेखांकित किया। रायजादा ने कहा कि सत्ता में आने के बाद हम एक भ्रष्टाचार रोधी आयोग बनाएंगे जो राष्टीय राजधानी में भ्रष्टाचार को खत्म करेगा।

रायजादा शिकागो में आम आदमी पार्टी (आप) की अनिवासी भारतीयों के प्रकोष्ठ के पूर्व सह-संयोजक थे और उन्हें नवंबर 2015 में 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के कारण पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने 2019 में अपनी खुद की पार्टी बनाई।

आप से दो मुद्दों पर होगी तरकार, बीजेपी विधानसभा सत्र बुलाने के लिए बेकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी के विधायक विजेन्दर गुप्ता ने कहा, दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग को लेकर हम स्पीकर से मिले। इसकी वजह यह है कि बिजली के बढ़े दाम और जलभराव की वजह से लाखों लोगों को नुकसान पहुंचा है। हम इसपर दिल्ली सरकार से सवाल पूछना चाहते हैं और उनका जवाब सुनना चाहते हैं। हालांकि, दिल्ली सरकार विशेष सत्र को टालने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए हमने स्पीकर को लिखित तौर पर आग्रह किया है।

वहीं बीजेपी विधायक अजय महावर ने कहा कि दिल्ली सरकार पीपीएसी लागू कर दिल्ली के लोगों की जेब पर डाका डालने की कोशिश कर रही है। इसके विरोध में तथा जलजमाव की समस्या के मुद्दे पर हम दिल्ली विधानसभा का सत्र बुलाना चाहते हैं। भाजपा विधायक ने कहा कि इन दोनों मुद्दों पर विधानसभा में खुलकर बातचीत होनी चाहिए। चर्चा होने पर ही उपाय खोजे जा सकते हैं।

आपको बता दें कि पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में बिजली के बढ़े दामों को लेकर बीजेपी आम आदमी पार्टी की सरकार पर लगातार हमलावर है। बीजेपी का आरोप है कि आप सरकार ने चुपचाप बिजली खरीद समायोजन शुल्क (पीपीएसी) बढ़ा दिया है। इसकी वजह से दिल्ली के लोगों पर भारी बोझ आ गया है। इसके अलावा बीजेपी ने दिल्ली के लोगों से अपील की है कि वो बढ़ी हुई बिजली बिल का भुगतान ना करें।

बीजेपी का दावा है कि साल 2015 में पीपीएसी सिर्फ 1.7 प्रतिशत था और अब यह 46 प्रतिशत हो गया है। बीजेपी का कहना है कि सरकार ने राजनीतिक लाभ के लिए बिजली के प्रति यूनिट दाम को छेड़े बिना बिजली खरीद समायोजन शुल्क (पीपीएसी) बढ़ा दिया है। हालांकि, आम आदमी पार्टी बीजेपी के इन दावों को गुमराह करने वाला बता रही है।

इसके अलावा दिल्ली में जलजमाव भी एक बड़ा मुद्दा बन गया है। बारिश के मौसम में अब तक दिल्ली के कई इलाकों में जलजमाव की समस्या सामने आई है। इसके अलावा मुनक नहर की वजह से दिल्ली के बवाना इलाके में आई बाढ़ पर भी जमकर सियासत हुई थी।

इटली के वैज्ञानिकों ने चांद पर एक विशाल गुफा का पता लगाया

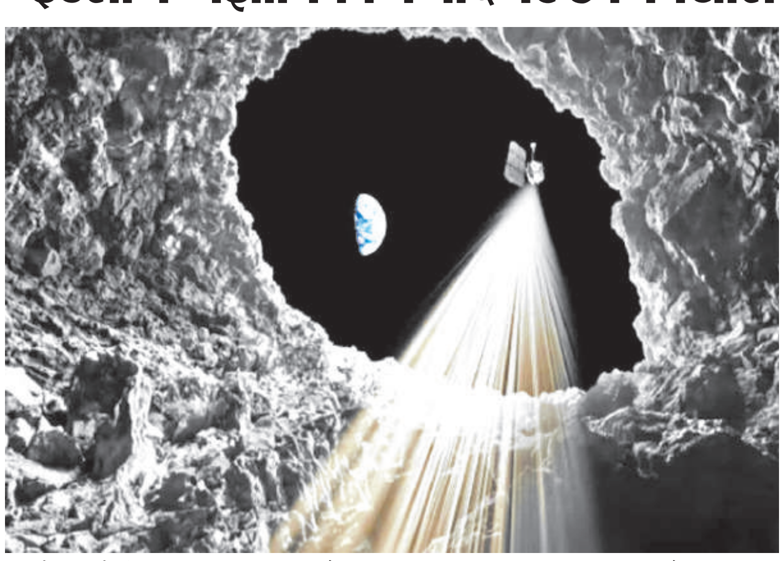

रोम, एजेंसी। चांद पर तमाम उपग्रह और यान भेजकर दुनियाभर के देश तरह-तरह के रहस्य उजागर कर रही है। पिछले साल इसरो ने चंद्रयान-3 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारकर इतिहास रच दिया था। चंद्रयान-3 ने चांद पर पानी, सल्फर समेत कई महत्वपूर्ण चीजों का पता लगाया और साबित किया कि भविष्य में चांद इंसानों के लिए रहने लायक विकल्प हो सकता है। इसी क्रम में वैज्ञानिकों ने चांद से एक और खुशखबरी दी है। वैज्ञानिकों ने चांद में इंसानों की रहने लायक जगह का पता लगा लिया है। इटली के वैज्ञानिकों ने चांद पर एक विशाल गुफा का पता लगाया है। यह स्थान 55 साल पहले नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन के लैंडिंग प्लेस से थोड़ी दूर स्थित है। इस स्थान पर सैकड़ों गुफा हो सकती हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि चांद के जिस स्थान विशाल गुफा का पता लगा है, वहां ऐसी सैकड़ों और गुफाएं हो सकती हैं जिनका इस्तेमाल भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों के आश्रयस्थल के रूप में किया जा सकता है। इटली के वैज्ञानिकों के नेतृत्व वाली एक टीम ने सोमवार को बताया कि चंद्रमा पर अच्छी खासी बड़ी गुफा के साक्ष्य मिले हैं। यह अपोलो 11 के उतरने वाली जगह से सिर्फ 250 मील (400 किमी) दूर 'सी ऑफ ट्रैंक्विलिटी' में है।

सुरंग आकार की गुफाएं

यह गुफा लावा ट्यूब (सुरंग की आकृति का ढांचा) के ढहने से बनी है जो कि वहां पाई गई 200 से अधिक अन्य गुफाओं की तरह है। शोधकर्ताओं ने नासा के लूनार रीकानिसन्स ऑर्बिटर द्वारा जुटाए गए रडार आंकड़ों का विश्लेषण किया और इसके नतीजों की तुलना पृथ्वी पर स्थित लावा ट्यूब से की। इसके निष्कर्ष 'नेचर एस्ट्रोनॉमी' पत्रिका में प्रकाशित किए गए हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार रडार के आंकड़ों से गुफा के शुरुआती बिंदु का ही पता है। उनका अनुमान है कि यह कम से कम 40 मीटर चौड़ी और 10 मीटर, संभवतः इससे भी अधिक लंबी है।

50 साल से रहस्य बनी थीं चांद की गुफाएं

ट्रेंटो विश्वविद्यालय के लियोनार्डो कैरर और लोरेंजो ब्रुजोन ने एक ईमेल में लिखा, ''चंद्रमा की गुफाएं 50 से अधिक वर्षों से रहस्य बनी हुई थीं। इसलिए, आखिरकार उनमें से किसी एक के बारे में पता लगाना काफी रोमांचक था।'' वैज्ञानिकों के अनुसार ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकांश गुफाएं चंद्रमा के प्राचीन लावा मैदानी क्षेत्र में हैं। इसके अलावा, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भी इसी तरह की कुछ गुफाएं हो सकती हैं जहां इस दशक के अंत में नासा के अंतरिक्ष यात्री कदम रखेंगे।

पाकिस्तान में आतंकी हमला, 8 सैनिकों की मौत, 10 आतंकवादी भी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अफगानिस्तान की सीमा से सटे इलाकों में दो अलग-अलग हमलों में 10 सैनिकों सहित कम से कम 15 लोग मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने यह भी बताया है कि सुरक्षा बलों ने गोलीबारी में सभी 13 हमलावरों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि मंगलवार को आतंकवाद प्रभावित डेरा इस्माइल खान जिले में एक ग्रामीण अस्पताल पर आतंकवादियों के हमले में दो महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, दो बच्चे और एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई। आईएसपीआर ने एक बयान में कहा कि कल तड़के 10 आतंकवादियों के एक समूह ने प्रांत के बन्नू जिले में छावनी क्षेत्र पर हमला किया और क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास किया। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों के जवानों ने आतंकवादियों के हमले को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया, जिससे आतंकवादियों को विस्फोटक से भरे वाहन को छावनी की दीवार से टकरा गयी।

आईएसपीआर ने कहा कि आत्मघाती विस्फोट के कारण दीवार का एक हिस्सा ढह गया और आसपास के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा और विस्फोट के चपेट में आने से आठ सैनिक मारे गए। बयान में कहा गया है कि आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन में सैनिकों ने डटकर मुकाबला किया और सभी 10 आतंकवादी मारे गए तथा सुरक्षा बलों की चौकसी के कारण एक बड़ी तबाही होने से बच गयी। बयान में हमले के लिए हाफ़िज़ गुल बहादुर समूह को जिम्मेदार ठहराया गया है।

इजराइल का 15 दिन में तीसरा बड़ा हमला

गाजा स्कूल पर एयरस्ट्राइक में 57 शणार्थियों की मौत

गाजा, एजेंसी। इजराइल और फिलीस्तीन के बीच कुछ देर के लिए थम चुकी जंग एक बार फिर उग्र रूप ले रही है। इजराइली सेना ने मंगलवार को गाजा में एक स्कूल पर एयरस्ट्राइक की जिसमें 57 की मौत हो गई और 73 से ज्यादा लोग घायल हो गए। संयुक्त राष्ट्र के इस स्कूल में शरणार्थियों को रखा गया था। गाजा के खान यूनुस में नासिर अस्पताल घायलों से भर चुका है। पिछले हफ्ते ही इजराइली सेना ने फिलिस्तीन लोगों को खान यूनिस को खाली करने का आदेश दिया था। इसके बाद वहां 3 बड़े अस्पतालों को बंद करना पड़ा था। ये 15 दिन में इस तरह का तीसरा हमला है।

संयुक्त राष्ट्र ने इसे खतरनाक कदम बताया है। साथ ही कहा है कि खान यूनिस से लोगों को निकालने के लिए और ज्यादा समय देने चाहिए। इस दौरान इजराइल शरणार्थियों पर हमला नहीं करे। इजराइली सेना ने 6 जून को बताया था कि उसने गाजा के स्कूलों पर तीन हमले किए गए थे।इजराइली सेना ने बताया कि 6 जुलाई को भी उसने गाजा में एक स्कूल पर एयरस्ट्राइक की थी जिसमें 16 लोगों की मौत हो गई और 75 से ज्यादा घायल हो गए थे। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ये स्कूल संयुक्त राष्ट्र का था, जहां शरणार्थियों को रखा गया था। स्थानीय लोगों के मुताबिक इजराइली सेना ने पहले स्कूल को चारों ओर से घेरा और फिर उस पर हमला कर दिया। इजराइल के हमले से स्कूल की इमारत नीचे गिर गई, जिसमें रह रहे बच्चे दब गए। स्थानीय लोग ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। जिसमें दो बच्चों को बचा लिया था, उसमें से एक बच्ची की हाथ में गंभीर चोट आई थी। वहीं दूसरे बच्चे के चेहरा और सिर पर कई चोट के निशान थे। बता दें कि इजराइल-हमास जंग के बीच पिछले 9 महीने से जंग जारी है। इसमें अब तक 38 हजार फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है, इनमें 14,500 बच्चे शामिल हैं। वहीं गाजा के करीब 80त्न लोग बेघर हो गए। यह जंग अब मिस्त्र बॉर्डर के करीब गाजा के राफा शहर पहुंच गई है।

जंग की शुरुआत में इजराइल की कार्रवाई से बचते हुए लोगों ने उत्तरी गाजा छोड़कर राफा में शरण ली थी। अलजजीरा के मुताबिक इस इलाके में 10 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। अब इजराइल की सेना यहां भी हमले की योजना बना रही है।इजराइल का तर्क है कि उन्होंने अब तक हमास की 24 बटालियन को खत्म कर दिया है। लेकिन अब भी 4 बटालियन राफा में छिपी हुई हैं। इनके खात्मे के लिए राफा में ऑपरेशन चलाना जरूरी है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अकिंत अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।